RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com मंगलवार, 24 फरवरी 2026 | वर्ष: 03, अंक: 348 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम ने लिखी चिट्ठी

पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम ने लिखी चिट्ठी: सीएए का जिक्र, घुसपैठ पर लगाम; राज्य के विकास के साथ कानून-व्यवस्था पर बात रखी

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को एक खुला पत्र लिखा है। इससे एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। इस पत्र में उन्होंने 'एबार भाजपा सरकार' का नारा देते हुए राज्य की मौजूदा सरकार पर सीधा हमला बोला। पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर नागरिक आज दुखी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में माताएं और बहनें खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं और बदलाव अब अनिवार्य हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरूआत जय मां काली से की और लिखा कि कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल का भाग्य तय होगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में उनकी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को प्राथमिकता दी है। किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

केंद्र की योजनाओं का हवाला

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग जन-धन योजना से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालय बने। उज्ज्वला योजना के जरिए 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को गैस कनेक्शन मिला। अटल पेंशन योजना से 56 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए। किसान सम्मान निधि के तहत 52 लाख से अधिक किसानों को आर्थिक सहायता दी गई। छोटे व्यापारियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए गए।

बंगाल में अब परिवर्तन अनिवार्य है

अब परिवर्तन अनिवार्य है और देश के अन्य राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल में भी विकास, रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि ह्यआयुष्मान भारतह्न योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा और अन्य योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया गया है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल की जनता से अपील की कि वे विकास यात्रा में सहभागी बनें और राज्य को नई दिशा देने में योगदान करें। एक ऐसा अवसर सामने है, जहां भयमुक्त वातावरण, भ्रष्टाचार से मुक्ति और रोजगार के नए अवसर सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

चिट्ठी में ममता सरकार पर कुशासन और तुष्टिकरण का आरोप

पीएम मोदी ने लिखा कि स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास में अग्रणी था, लेकिन अब स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति को राज्य की गिरती हालत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवा पलायन कर रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

घुसपैठ और हिंसा का मुद्दा

प्रधानमंत्री ने अवैध घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ हिंसा को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धरती आज अराजकता में फंसी है। उन्होंने नकली वोटरों का भी जिक्र किया और कहा कि राज्य को अंधकार से बाहर निकालना जरूरी है। पत्र के अंत में प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से बदलाव के लिए आगे आने की अपील की।

गौरवशाली राज्य की जर्जर हालत देखकर मेरा मन व्यथित हो उठता है: पीएम मोदी

पीएम ने पत्र में लिखा कि स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करता था और औद्योगिक विकास में अग्रणी था। लेकिन आज इस गौरवशाली राज्य की जर्जर हालत देखकर मेरा मन व्यथित हो उठता है। पिछले छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पश्चिम बंगाल को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसे बयान नहीं किया जा सकता। स्वामी विवेकानंद और ऋषि अरविंद ने जिस बंगाल का सपना देखा था, वह आज वोट-बैंक की संकीर्ण राजनीति, हिंसा और अराजकता में जकड़ा हुआ है और यह हम सबके लिए अत्यंत पीड़ादायक है। बंगाल की धरती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आजादी के ललकार ने कभी पूरे देश को प्रेरित किया था।

केंद्र ने गरीब, महिलाओं के सशक्तीकरण को प्राथमिकता दी

प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पिछले वर्षों में गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, पश्चिम बंगाल में पांच करोड़ लोग जन-धन योजना के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालयों का निर्माण कराया गया है। छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये का लोन दिया गया। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से एक करोड़ से अधिक परिवारों को रसोई गैस देकर माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल पेंशन योजना के अंतर्गत 56 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बड़ी संख्या में परिवारों को पक्के घर मिले हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि किसान सम्मान निधि के माध्यम से 52 लाख किसानों को सीधी आर्थिक सहायता दी जा रही है।

स्वतंत्रता आंदोलन में पशिचम बंगाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है: पीएम मोदी

जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

पत्र में मोदी ने पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाला अग्रणी प्रदेश रहा है। किंतु पिछले दशकों में कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य को नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवाओं को अन्य राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

प्रधानमंत्री ने बंगाल की महान विभूतियों का स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने जिस बंगाल की कल्पना की थी, वह आज संकीर्ण राजनीति और हिंसा की चपेट में दिखाई देता है। राज्य की पवित्र भूमि अवैध घुसपैठ और हिंसात्मक घटनाओं से प्रभावित हो रही है, जिससे पूरे देश में चिंता का वातावरण है।

भारतझ्रगुयाना संबंधों को बहुआयामी क्षेत्रों में विस्तार देने पर सहमति

नई दिल्ली।
उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भारत जगदेव ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक में दोनों नेताओं ने भारतझ्रगुयाना संबंधों को विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में और मजबूत बनाने के उपायों पर व्यापक चर्चा की।

डॉ. जगदेव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निर्णायक लीडरशिप और यूपीआई के जरिए डिजिटल गवर्नेंस और फाइनेंशियल इनक्लूजन में भारत की तेजी से हो रही प्रगति की सराहना की। दोनों पक्षों ने गुयाना में भी ऐसे ही डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना मॉडल को बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। चर्चा में स्वास्थ्य प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन, कृषि अनुसंधान तथा दोनों देशों के बीच संपर्क और आपूर्ति शृंखला सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त सूचना प्रौद्योगिकी, नीली अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, शिक्षा, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु कार्रवाई के क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाएं भी तलाश की गईं।

4 1

व्यापार बंधुओं की समस्याओं को प्राथमिकता पर करें निस्तारण -डीएम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जिला व्यापार बन्धु की बैठक आयोजित की गयी, जिसमें प्रयागराज जनपद के व्यापार मंडलो के प्रतिनिधि एवं व्यापारीगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे तथा बैठक में आए प्रकरणों पर सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सर्वप्रथम श्रम विभाग व ईपीएफओ के अधिकारियों द्वारा रोजगार सृजन एवं सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा दिए जाने हेतु संचालित की गयी एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेटिव स्कीम-प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना के बारे में व्यापारी बंधुओं को प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी गयी।

बैठक में व्यापारियों को पूर्व में आयोजित व्यापारी बन्धु की बैठक में उनके द्वारा उठाये गये समस्याओं एवं शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की स्थिति से अवगत कराया गया। जिन मामलों में व्यापारी बन्धु कार्यवाही से पूर्णतः सन्तुष्ट थे, उन मामलों को उनकी सहमति से निक्षेपित किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने उनकी अध्यक्षता में प्रत्येक माह होने वाली व्यापारी बंधुओं की बैठक के पूर्व सभी सम्बंधित विभागों को व्यापार बंधुओं के साथ अपनी-अपनी बैठक सम्पादित कराये जाने के लिए कहा है। बैठक में जिलाधिकारी ने जानसेनगंज चौराहे पर रेखी ब्रदर्स की बिल्डिंग टूटने के साथ समाप्त हुए टॉयलेट को उचित स्थान ढूंढकर पुनः बनाये जाने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया है। उन्होंने रीवा रोड पर स्थित जारी बाजार में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था कराये जाने हेतु जिला पंचायतराज अधिकारी को स्थायी सफाई कर्मी नियुक्त करने के निर्देश दिए है। बैठक में शाहगंज थाने से लेकर सस्ता बाजार मार्केट तक नशेड़ियों के द्वारा लोगो को परेशान किए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने आबकारी, नगर निगम, पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं एडीएम सिटी व सिटी मजिस्टेज्ट की संयुक्त टीम बनाकर प्रवर्तन की कार्यवाही कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाये जाने हेतु पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने व्यापार बंधुओं के द्वारा बैठक में उठाये गये पुलिस विभाग से सम्बंधित प्रकरणों में यथोचित कार्यवाही हेतु पुलिस आयुक्त महोदय को पत्र प्रेषित करने के लिए कहा है। बैठक में श्री राजीव सिंह निवासी फाफामऊ की भूमिधरी जमीन पर ग्राम डीहा के कुछ अराजक तत्वों द्वारा उक्त भूमि में देवस्थान कायम करने की नियत से पीपल के पेड़ की जड़ रखे जाने के प्रकरण में नगर निगम, उपजिलाधिकारी और एसीपी की संयुक्त टीम द्वारा प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। बैठक में नवाबगंज के दहियावा रोड बाजार में सड़क किनारे पानी की जमाव की समस्या पर जिला पंचायत राज अधिकारी व अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी को निरीक्षण कर समस्या का समाधान करने के लिए कहा है। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सोरांव के ठाकुर द्वारा मंदिर से लेकर संकल्प इण्टर नेशनल स्कूल तक स्वीकृत सड़क के निर्माण हेतु पीडब्लूडी को प्राथमिकता पर सड़क को बनाये जाने हेतु कहा है।

बैठक में होली पर्व के दृष्टिगत लोकनाथ चौराहे पर विद्युत के तारों को व्यवस्थित किए जाने तथा वहां पर स्थायी रूप से तारों को अण्डरग्राउंड कर विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था किए जाने की मांग पर जिलाधिकारी ने मुख्य अभियंता विद्युत को उक्त स्थल का निरीक्षण करने के लिए कहा है। इसी प्रकार बैठक में व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों द्वारा उठाये गये विभिन्न प्रकरणों में आवश्यक कार्यवाही सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने बैठक में नगर निगम, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज सहित अन्य विभागों को बैठक में उठाये गये समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित एवं सम्यक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को जिला व्यापार बंधु की बैठक में उठाये गये प्रकरणों के निस्तारण में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए ससमय कार्यवाही कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर जिला व्यापार बंधु समिति के सदस्य/पदाधिकारीगणों के अलावा सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम एसपी ने परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर दिया निर्देश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने यू.पी. बोर्ड परीक्षा-2026 के परीक्षा केन्द्रों-करारी इण्टर कॉलेज, रियाज इण्टर कॉलेज उखैया खास एवं दुर्गा देवी इण्टर कॉलेज ओसा आदि का आकस्मिक भ्रमण किया।

जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्रों के भ्रमण के दौरान केंद्र व्यवस्थापक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट से विद्यार्थियों की उपस्थिति व कक्ष निरीक्षकों की उपस्थिति आदि जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि परीक्षा नकल विहीन, शुचितापूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराई जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने सी.सी.टी.वी. कक्ष के भ्रमण के दौरान कहा कि सी.सी.टी.वी की क्रियाशीलता सुनिश्चित बनाएं रखी जाए। उन्होंने स्ट्रांग रूम के भ्रमण के दौरान प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सतत निगरानी बनाए रखी जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सैनी पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त मो0 दिलसाद उर्फ मो0 इरसाद आलम पुत्र गुलाम मोहम्मद निवासी अटसराय थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

चोरी की मोटर साइकिल के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । शनिवार को थाना कोखराज पर वादी राजू लाल पुत्र मुननू लाल निवासी चरवा खुर्द थाना चरवा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मै एक निमन्त्रण में ग्राम ककोढ़ा गया था जहां मेरी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 95/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था ।

थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त शिवम पुत्र राम सजीवन निवसी ग्राम अरंज बनकट थाना साढ़ जनपद कानपुर नगर को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित चोरी की मोटरसाइकिल (UP70EV1337) बरामद किया गया ।

सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान एंटीरोमियो स्क्वाड व मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, कस्बों, ग्रामों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर भ्रमण कर महिलाओं व बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, आत्मरक्षा, गुड टचझ्रबैड टच, बाल विवाह निषेध, नए आपराधिक कानून (इठर व इठठर), जीरो ऋक्रफ एवं ई-ऋक्रफ की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही शोहदों की चेकिंग कर आवश्यक हिदायत दी गई।

अभियान के दौरान महिलाओं की समस्याएं सुनकर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया तथा सभी से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की घटना होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

भूमि अधिग्रहण रोकवाने के लिए विधायक फूलपुर से लगाई गुहार

प्रयागराज।चक हिनौता, चकिया हिनौता, मुकुन्दपुर आदि ग्रामों की भूमि के अधिग्रहण के विरोध में भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने विधायक फूलपुर दीपक पटेल के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा और बताया कि चक हिनौता, चकिया हिनौता, मुकुन्दपुर के कृषकों की भूमि को पीडीए द्वारा अधिग्रहण की प्रक्रिया की जा रही है झूसी आवास विकास से 10 किमी दूरी पर स्थित इन ग्रामों में सम्पूर्ण किसानों के जीविकोपार्जन का मुख्य स्रोत कृषि है।पूर्व में मुकुन्दपुर, राजूपुर, बजहाँ से रिंग रोड गयी है जिससे काफी किसान प्रभावित हैं 1 जिससे पहले ही काफी क्षति हो चुकी है साथ ही इन्ही ग्रामीण कृषको की भूमि पर रेलवे लाइन भी प्रस्तावित है सभी लोगों ने विधायक दीपक पटेल से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से रोकने की गुहार लगाई विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि विधायक दीपक पटेल ने उनकी मांग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाने का आश्वासन दिया और कहा कि मैं भूमि अधिग्रहण रोकवाने का पूरा प्रयास करूंगा।

जिला वृक्षारोपण, पर्यावरण व गंगा सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति व गंगा सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी के द्वारा बताया गया कि वर्ष 2026 में जुलाई माह में होने वाले वृहद वृक्षारोपण हेतु जनपद का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है, जिसमें वन विभाग सहित 24 विभागों को 71,37,747 पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी विभागों को वर्ष 2026 हेतु विभागवार वृक्षारोपण का लक्ष्य आवंटित कर दिया गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को अपने लक्ष्य के अनुसार पौधरोपण हेतु स्थल का चयन किए जाने तथा आवश्यक तैयारियां किए जाने हेतु अभी से कार्ययोजना बनाये जाने के लिए निर्देश दिए गए है। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य के अनुसार आवश्यक जमीन चिन्हित करते हुए

गड्ढ़ा खुदाई का कार्य कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी विभागों को उनके द्वारा वषार्काल 2025 में कराये गये वृक्षारोपण का सफलता प्रतिशत उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने वर्ष 2025 में कराये गये वृक्षारोपण की अर्न्तविभागीय सत्यापन रिपोर्ट जिन विभागों के द्वारा अभी उपलब्ध नहीं करायी गयी है, उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है।

जिला गंगा समिति की बैठक में छोटी नदियों के पुनरोद्धार हेतु कार्ययोजना बनाने के निर्देश'

जिला गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद की छोटी नदियों के पुनरोद्धार के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु जिला गंगा समिति के अंतर्गत एक उपसमिति गठित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि उपसमिति जिला स्तर पर छोटी एवं सहायक नदियों का चिन्हिकरण, मैपिंग तथा उनके पुनरोद्धार एवं कायाकल्प की रणनीति तैयार करेगी। मनरेगा विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि इस वर्ष शंकरगढ़ ब्लॉक में लोनी नदी का चयन किया गया । जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को जन आंदोलन से जोड़ने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार गतिविधियाँ संचालित करने पर भी बल दिया तथा नदियों में सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों पर समस्त नालों को जल्द से जल्द टैप किये जाने पर जोर दिया ताकि प्रदूषित पानी गंगा में न जाए एवं सिंचाई विभाग से प्रयागराज की नदिया एवं सहायक/ छोटी नदिया एवं विलुप्त नदियों को जानकारी मांगी ताकि नदियों को बचाया जा सके ।

कप्तान ने फरियादियों की समस्याओं को ऑनलाइन किया संवाद

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। सोमवार को जनपद में फरियादियों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा एक अभिनव एवं सराहनीय पहल की जा रही है।

इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों से ऑनलाइन

माध्यम से संवाद स्थापित किया जा रहा है।

इस ऑनलाइन संवाद के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना जा रहा है तथा प्रत्येक प्रकरण का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण नियमानुसार एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत हो, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें समय पर न्याय मिल सके।

रिश्वत लेते लेखपाल को विजिलेंस टीम ने किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। फरियादियों की समस्याओं के समाधान के लिए रिश्वत लेने वाले लेखपाल को 10000 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बिजनेस टीम ने गिरफ्तार किया है लेखपाल की गिरफ्तारी होते ही पूरे राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है हालांकि विजिलेंस टीम घूसखोर लेखपाल को लेकर अपने साथ चली गई है गिरफ्तारी के समय लेखपाल रोता गिड़गिड़ाता रहा लेकिन बिजनेस टीम ने उसकी एक नहीं सुनी।

मंझनपुर तहसील क्षेत्र के थाना पश्चिम शरीरा अंतर्गत चम्पहा बाजार में तैनात लेखपाल महेंद्र मौर्य ने फरियादी की समस्या के समाधान के लिए उससे 10000 रुपए घूस की रकम की डिमांड कर रहे थे फरियादी ने मामले की जानकारी भ्रष्टाचार निवारण संगठन के अधिकारी को दे दी जिस पर बिजनेस टीम सोमवार को पश्चिम का थाना क्षेत्र के चम्पहा बाजार स्थित एक मिठाई की दुकान के पास पहुंच गई मिठाई की दुकान पर ही घूस की रकम लेने के लिए लेखपाल ने फरियादी को बुलाया था दुकान पर बैठकर 10000 रिश्वत लेते समय लेखपाल को क्राइम टीम ने रंगे हाथों हिरासत में लिया।स्थानीय लोगों का कहना है कि लेखपाल के विरुद्ध पहले से ही अवैध वसूली की शिकायतें मिल रही थीं।

बताया जा रहा है कि क्राइम ब्रांच की टीम अचानक मौके पर पहुँची और कार्रवाई करते हुए उन्हें अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,टीम की गाड़ी पर सीओ लिखा हुआ था।घटना की खबर बाजार में फैलते ही हड़कंप मच गया। लोग आपस में चर्चा करते नजर आए और पूरे क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।मौके पर लेखपाल की मोटरसाइकिल नंबरः वढ 73 अऋ 5006 खड़ी मिली,जिसकी चाबी मिठाई दुकान के मालिक को सौंप दी गई। पुलिस द्वारा वाहन को थाना भेजने की बात कही गई है।हालांकि,क्राइम टीम द्वारा जल्दबाजी में आरोपी को ले जाने के कारण विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी है। सूत्रों के मुताबिक मोटरसाइकिल और मौके की तस्वीरें साक्ष्य के रूप में सामने आई हैं।अब देखना यह होगा कि क्राइम ब्रांच टीम इस मामले में आगे क्या कार्रवाई करती है और जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं। क्षेत्रीय लोगों में इस कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चचाएं जारी हैं।

लाखों की शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सोमवार को थाना बीबीनगर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान शातिर जयसिंह पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम पुरखास थाना गुन्नौर जनपद सोनीपत(हरियाणा) शराब तस्कर खैरपुर नहर पुलिया के पास से 01 कैन्टर में लदी 52 पेटी(2496 पव्वे) अवैध अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार किया गया।

सीओ ने रिक्रूट आरक्षियों की होने वाली इंडोर व आउटडोर परीक्षा के संबंध में की गोष्ठी

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन जनपद फतेहपुर के सम्मेलन कक्ष में क्षेत्राधिकारी लाईन व क्षेत्राधिकारी थरियांव द्वारा पुलिस लाईन में ट्रेनिंग कर रहे रिक्रूट आरक्षियों की होने वाली इंडोर व आउटडोर परीक्षा के संबंध में ट्रेनिंग टीचर्स,इंस्ट्रक्टर्स (आटीआई व पीटीआई) के साथ गोष्ठी कर शासन द्वारा निर्गत आदेशों/निदेशो के अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मौके पर अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

थरियांव पुलिस द्वारा 2 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना थरियांव पुलिस ने दो वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र सिंह ने बताया कि वांछित वारंटी की तलाश की जा रही थी इसी बीच मुखबिर की सूचना पर गैर इरादतन हत्या के प्रयास के से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण राकेश शर्मा पुत्र रामकिशन शर्मा उम्र करीब 48 वर्ष निवासी आदर्श बिहार, श्यामनगर कानपुर नगर, मंजू देवी पत्नी राकेश शर्मा उम्र करीब 46 वर्ष निवासी आदर्श बिहार, श्यामनगर कानपुर नगर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

"बहु-बेटी सम्मेलन" का किया गया भव्य आयोजन"

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में जनपद फतेहपुर के विभिन्न थानों द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिलाओं/ बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सशक्तिकरण, नारी सुरक्षा, स्वावलंबन ,दहेज मृत्यु एवं अपहरण जैसी गंभीर घटनाओं को कम करने व अधिकारों के सम्बन्ध में शक्ति दीदियों, ऑगनवाड़ी कार्यकत्रियों और आशा बहुओं से समन्वय स्थापित कर गांव व स्कूलों में *बहू-बेटी सम्मेलन* का आयोजन कर महिलाओं, किशोरियों एवं परिवारों को कानूनी अधिकारों, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं व विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गयी । साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को अपराध के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया । महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही इन सामाजिक अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। इस आयोजन से महिला सशक्तिकरण को मिल रही नई गति ।

भाजपा सरकार गरीब मजदूरों के जीविका से खिलवाड़ कर रही है- अजय राय

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कौशाम्बी के ब्लाक नेवादा गांव अकबराबाद जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में पहुंचे जहां मनरेगा योजना में कार्यान्वयन विगत दिनों 1 साल से वेतन न मिलने के चलते आर्थिक तंगी से जूझ रहे इंद्रपाल सरोज जिनकी ब्रेन हेमरेज से दुखद मृत्यु होगई इसपर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उनके परिजनों से मिलकर उनका ढांढस बंधाया और कहा हम उनके अधिकार की लड़ाई लड़ेगे और उन्हें न्याय दिलाएंगे इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा ये सरकार गरीबों के लिए कुछ नहीं कर पा रही है बल्कि पूर्व में कांग्रेस ने जो गरीबों के लिए मनरेगा जैसी योजनाएं बनाई उससे तमाम गरीब तबके के लोगों को आर्थिक मजबूती मिली थी लेकिन सरकार इस योजना का नाम बदलकर इसे समाप्त करना चाहती है हमारे गरीब श्रमिक भाइयों का इसी प्रकार से सरकार उनका पैसा रोककर

उन्हें भ्रम में रखती है आज आर्थिक तंगी के कारण इंद्रपाल सरोज की मृत्यु हो गई और सरकार हाथ पे हाथ रखकर बैठी है लेकिन हम इस परिवार की अधिकार की लड़ाई लड़ेंगे। इस दौरान मुख्य रूप से मनरेगा संयोजक संजय दीक्षित,पूर्व विधायक चायल विजय प्रकाश, सुधाकर तिवारी,रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम दीपक पाण्डेय,मनोज सिंह पटेल,आशीष मिश्रा पप्पू, कौशलेश द्विवेदी,अलकमा उस्मानी,नैय्यर रिजवी, रामसूरत रैदास,कुलदीप शुक्ला ,राजनारायण पासी,खुर्शीद अनवार, रजनीश पाण्डेय, शमीम आलम,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,संतोष शुक्ला,अर्श खुर्शीद,आसिफ अल्वी,हेमंत रावत, नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी शकील अब्बास,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय,ब्लाक अध्यक्ष सिराथू रामप्रकाश पंडा, वीरेंद्र सोनकर,विनोद पाण्डेय,महेंद्र मिश्रा, कैलाश केसरवानी,सेवादल जिलाध्यक्ष जमशेद अहमद,मोहम्मद मिजान,तबरेज अहमद, नगर अध्यक्ष अझुवा विजय यादव,पिंटू सरोज,दीपक शर्मा सहित तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संत गाडगे बाबा को दिया जाये भारत रत्न : अनन्त कुमार

संत गाडगे बाबा की 150 जयंती धूमधाम से मनायी गयी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। संत गाडगे बाबा की 150 जयंती समारोह नया पुरवा,स्टेनली रोड में आज केक काटकर धूमधाम से मनाई गई।

कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी अनन्त कुमार चौधरी ने कहा कि सन्त गाडगे जी को भारत रत्न मिलना चाहिए। उन्होंने समाज सेवा से देश को एक नयी दिशा दी है, केंद्र सरकार से अनुरोध है कि संत गाडगे बाबा ने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त अज्ञानता, अंधविश्वास, भोली-भाली मान्यताओं, अवांछित रीति - रिवाजों और परंपराओं को दूर करने के लिए समर्पित कर दिया था । इसके लिए उन्होंने कीर्तन का मार्ग अपनाया। अपने कीर्तन में वह श्रोताओं को उनके अज्ञान, दोषों और दोषों से अवगत कराने के लिए विभिन्न प्रश्न पूछते थे। उनके उपदेश भी सरल और सहज होते थे। अपने कीर्तन में वह कहा करते थे कि चोरी मत करो, साहूकारों से कर्ज मत लो, व्यसनों में लिप्त मत हो, भगवान और धर्म के नाम पर जानवरों को मत मारो, जातिगत भेदभाव और छुआछूत का पालन मत करो। उन्होंने आम लोगों के मन

में यह बात बैठाने की कोशिश की कि भगवान पत्थर में नहीं बल्कि इंसानों में हैं। वह संत तुकाराम महाराज को अपना गुरु मानते थे। उन्होंने हमेशा कहा कि 'मैं किसी का गुरु नहीं हूं, मेरा कोई शिष्य नहीं है'। अपने विचारों को सरल और भोले-भाले लोगों तक पहुँचाने के लिए वे ग्रामीण भाषा (मुख्य रूप से वरहाड़ी बोली) का प्रयोग करते थे। गाडगे बाबा ने भी समय-समय पर संत तुकाराम के सटीक अभंगों का भरपूर उपयोग किया। गाडगे बाबा भोले-भाले से लेकर नास्तिक तक सभी उम्र के लोगों को आसानी से अपने कीर्तन में शामिल कर लेते हैं और उन्हें अपने दर्शन का विश्वास दिलाते हैं। बाबा के जीवनीकार प्रबोधंकर ठाकरे ने कहा कि उनके कीर्तन का लघुचित्र बनाना मेरी शक्ति से परे है,अगर कोई मुसीबत में था तो उसकी मदद के लिए दौड़ना, उसकी मदद करना और बिना किसी परिणाम की उम्मीद किए अपने रास्ते पर जाना उसका पैटर्न था। वह हमेशा अपने साथ एक कौवा रखते थे। वह फटे-पुराने कपड़े पहने और हाथ में टूटी बंदूक थी इसीलिए लोग उन्हें 'गाडगे बाबा' कहने लगे। वह जिस गाँव में जाते थे झाड़ू-पोंछा करते थे। सार्वजनिक स्वच्छता के सिद्धांतों को मन में बिठाने और समाज में अंधविश्वास को खत्म करने के लिए वे खुद भी लगातार सक्रिय रहे और भरसक प्रयास किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी अनंत कुमार चौधरी, शंभू शाहू, आनंद कुमार सिंह, विकास यादव, संदीप चौधरी, दीपक यादव, अरूण चौधरी, राम शेखर सहित अन्य ने विचार व्यक्त किया।

भीमपुर बरेस्ता कला से पैदल अयोध्या धाम के लिए रवाना

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। भीमपुर बरेस्ता कला गांव निवासी अर्जुन सिंह और प्रदीप सिंह ने गहरी आस्था के साथ पैदल अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किया। यात्रा पर निकलने से पहले दोनों ने गांव के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया और सफल यात्रा का संकल्प किया।प्रस्थान के समय गांव में श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर तथा जय श्रीराम के उद्घोष के साथ विदा किया। कई लोगों ने उनके माथे पर तिलक लगाकर मंगलकामनाएं दीं।

अर्जुन सिंह और प्रदीप सिंह ने बताया कि वे पैदल चलकर अयोध्या पहुंचेंगे और प्रभु श्रीराम के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करेंगे। ग्रामीणों ने भी उनकी सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना करते हुए कहा कि यह यात्रा गांव के लिए गर्व का विषय है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा नई सरकार की हो प्राथमिकता : शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद

बांग्लादेश के सवा करोड़ हिंदुओं का हित हमारे लिए सर्वोपरि

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज / मथुरा । पुरी गोवर्धन पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज आज प्रयागराज में थे। वह चित्रकूट के मडफा फोर्ट के पास निमार्णाधीन आश्रम में चल रहे 11 दिवसीय महायज्ञ और विशाल भण्डारा संपन्न होने के बाद मथुरा के गोवर्धन स्थित आश्रम जा रहे थे। इस दौरान बडी संख्या में शिष्यों ने स्वागत और अभिनंदन कर आशीर्वाद लिया।

पुरी गोवर्धन पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज ने बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम और वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दुओं की स्थिति पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से लेकर धार्मिक पदों की गरिमा तक पर अपनी बेबाक राय रखी।

शंकराचार्य ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देते हुए कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से बांग्लादेश गोवर्धन मठ के विशेष संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के सवा करोड़ हिंदुओं का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सनातनी समाज ने जिस साहस के साथ अपने मठ-मंदिरों की रक्षा की, वह वंदनीय है। उन्होंने तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई सरकार को बधाई देते हुए आह्वान किया कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और विकास के लिए सरकार को संवेदनशीलता दिखानी होगी।

ज्योतिर्मठ विवाद पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ महाराज ने कहा कि अदालत के फैसले का करें सम्मान उन्होंने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े हालिया विवाद और शंकराचार्य पद की वैधता पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। स्वामी अधोक्षजानंद ने दो टूक कहा कि ज्योतिर्मठ का मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया, "कि जब तक न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आता, तब तक किसी भी व्यक्ति को शंकराचार्य पद का दावा नहीं करना चाहिए।" उन्होंने संतों पर लग रहे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि ऐसे विवादों से 'भगवा' और संत परंपरा की गरिमा को ठेस पहुंचती है। वैश्विक शांति पर चर्चा करते हुए शंकराचार्य ने तालिबान शासन पर एक चौंकाने वाला विश्लेषण दिया। उन्होंने कहा कि मुल्ला उमर के दौर की तुलना में वर्तमान तालिबान सरकार के व्यवहार में सुधार और बदलाव दिखा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यदि वहां अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक व्यवस्थाएं पूरी तरह लागू होती हैं, तो क्षेत्र में स्थिरता और शांति का माहौल बनेगा।

सनातनियों की सुरक्षा के लिए हुंकार रैली

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। हनुमत संग, प्रयागराज की ओर से सनातन संस्कृति और सनातन धर्मावलंबियों के सम्मान और सुरक्षा के लिए 25 फरवरी बुधवार सायं चार बजे से चार कदम, हनुमत संग के साथ सनातन हुंकार रैली पत्थर गिरजाघर, धरना स्थल से निकलकर सुभाष चौराहे तक जाएगी। आयोजक हनुमत संग, प्रयागराज के अध्यक्ष शैलेन्द्र पाण्डेय ने आज बताया कि इस रैली का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सनातनियों पर हो रहे अत्याचार खासकर बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं का उत्पीडन और उन पर अत्याचार हो रहा है, पाकिस्तान हों या विश्व के अन्य देशो में भी सनातनियों पर अत्याचार हो रहा है जिससे आम सनातनी दुःखी है। उन्होंने बताया कि सनातन समाज के सभी विद्वान, अधिवक्ता, डॉक्टर, महिला, पुरुष सहित सभी सभी लोग इसमें भाग लेंगे।

डॉ. अभिषेक वर्मा के जन्मदिवस पर सेवा, श्रद्धा और संकल्प के कार्यक्रम

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मंदिरों में पूजा अर्चना किया, अस्पताल पहुंचकर मरीजों में बांटे फल

सबसे तेज प्रयागराज

मेजा। शिवसेना के मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक (एनडीए गठबंधन एवं चुनाव) डॉ. अभिषेक वर्मा के जन्मदिवस पर सोमवार को जनपद में श्रद्धा, सेवा और समर्पण से ओत-प्रोत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का नेतृत्व प्रदेश सचिव शिवसेना रुचि अभिषेक तिवारी ने किया। कार्यकताओं ने विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना कर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं संगठन की निरंतर प्रगति की कामना की।

प्रातःकाल मां शीतला मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन की मजबूती और विस्तार के लिए विशेष प्रार्थना की। इसके उपरांत श्रीनाथ बाबा मंदिर, सिरसा तथा मेजा के गड़ेवरा स्थित पहाड़ी महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन कर भगवान भोलेनाथ से डॉ. वर्मा के यशस्वी, स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की मंगलकामना की।

जन्मदिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर पहुंचकर मरीजों के बीच दूध, फल एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने मानव सेवा को ही सच्ची सेवा बताते हुए समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने डॉ. अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश सचिव शिवसेना रुचि अभिषेक तिवारी ने कहा कि डॉ. अभिषेक वर्मा का नेतृत्व संगठन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण ही शिवसेना की मूल पहचान है। जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाकर कार्यकताओं ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन की मजबूती के लिए निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया।

जिला प्रमुख यमुनापार शिव प्रकाश उपाध्याय, पूर्व जिला प्रमुख सोनू सेठ, विकास तिवारी (विक्की), शुभम तिवारी (आजाद), रोहित शुक्ला, अमन तिवारी, रविकांत कुशवाहा, शिवकांत दुबे, रतीश विद्यार्थी, सबल तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक, चिकित्सकगण एवं कर्मचारी भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

नग्राम चौपाल के माध्यम से किसानों की समस्याओं का होगा समाधान- संजीव कुमार

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। चकबंदी प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित गांवों के किसानों की समस्याओं का निस्तारण करने के लिए विभागीय अधिकारी कर्मचारी गांवों में ग्राम चौपाल लगाकर किसानों की समस्याओं का निस्तारण करे उक्त बाते सोमवार को फूलपुर तहसील क्षेत्र के आतंपुर गांव में आयोजित ग्राम चौपाल में बतौर मुख्य अतिथि बंदों बस्त चकबंदी अधिकारी प्रयागराज संजीव

कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि चकबंदी आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर पूरे जिले के हर तहसील में चकबंदी संबंधित चयनित गांवों में 23 फरवरी से 28 फरवरी तक विशेष अभियान चला कर ग्राम चौपालों के माध्यम से किसानों की समस्याओं का निस्तारण करे जिसमें चकबंदी से संबंधित अभिलेखों के साथ संबंधित लेखपाल कानून गो सहायक चकबंदी अधिकारी सहित पूरी टीम उपस्थित रहकर किसानों की समस्याओं को सुनकर समस्याओं का निस्तारण अवश्य करे।फूलपुर के राजेपुर,चक हिंसुट सहित अन्य गांवों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमन्त्री विकसित भारत रोजगार योजना के सम्बन्ध में वर्कशाप का किया गया आयोजन

डीएम ने जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर योजना के प्रचार-प्रसार हेतु कैम्पों का आयोजन कराये जाने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमन्त्री विकसित भारत रोजगार योजना के सम्बन्ध में वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशाप में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, प्रयागराज द्वारा योजना के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि भारत सरकार द्वारा सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता, विनिर्माण एवं उद्योगों को बढावा देने के साथ कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा को बढावा देने के उद्देश्य से उक्त योजना का शुभारम्भ मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 01-8-2025 से प्रारम्भ किया गया है, जो कि दिनांक 31-7-2027 तक प्रभावी रहेगी।

उक्त योजना के अन्तर्गत प्रथम बार रोजगार पाने वाले कर्मचारी को 6 माह की निरन्तर सेवा पूर्ण करने पर प्रोत्साहन राशि रूपया 15000 मिलेगी एवं भविष्य निधि संगठन द्वारा विकसित की जाने वाली वित्तीय साक्षरता पाठयक्रम को पूर्ण करने के उपरान्त दूसरी किस्त का भुगतान किया गया। दूसरी ओर अतिरिक्त रोजगार सृजित करने वाले प्रतिष्ठानों को नियमानुसार 02 वर्ष तक की अवधि के लिए प्रोत्साहन राशि दी जायेगी तथा विनिर्माण क्षेत्र के प्रतिष्ठानों का यह प्रोत्साहन राशि 04 वर्ष की अवधि तक दी जायेगी। इस योजना का लाभ पुराने एवं पुर्ननियोजित दोनो प्रकार के श्रमिक प्राप्त कर सकते हैं। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, प्रयागराज क्षेत्र द्वारा इस योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी शासकीय विभागों, उद्योगों एवं व्यापारिक संगठनों से सहायोग की अपेक्षा करते हुए इस योजना का व्यापक प्रचार ,प्रसार एवं योजना से आच्छादित होने वाले प्रतिष्ठानों एवं डाटा को शेयर करने का अनुरोध किया गया।

जिलाधिकारी ने योजना कों अत्यन्त लाभदायक योजना बताते हुए सभी शासकीय विभागों को इस योजना का प्रचार-प्रसार करने हेतु एवं योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु संबंधित प्रतिष्ठानों को इस योजना में अपना पंजीयन करवाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश प्रदान किये गयें हैं। जिलाधिकारी ने भविष्य निधि संगठन एवं श्रम विभाग को इस योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर कैम्पों का आयोजन करने के निर्देश दिये गये हैं।

इस वर्कशाप में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, प्रयागराज, उप श्रम आयुक्त, प्रयागराज क्षेत्र जिला विकास अधिकारी, प्रयागराज, सहायक आयुक्त उद्योग, प्रयागराज, अधिशासी अभियन्ता, विघुत विभाग, प्रयागराज, जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज, समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी, प्रयागराज, नेशनल चौम्बर आफ कामर्स एवं लघु उद्योग भारती, प्रयागराज के प्रतिनिधि, इफ्कों, प्रयागराज के प्रतिनिधि एवं गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बस-ट्रक में टक्कर, यूपी बोर्ड के पांच परीक्षार्थी गंभीर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर जोन के थरवई थाना क्षेत्र में सोमवार को स्कूली बच्चों से भरी बस और ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में यूपी बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे पांच छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि दर्जनों छात्र घायल हो गए। यह हादसा बेरुई गांव के पास फाफामऊ सहसों फोरलेन हाइवे पर हुआ।

बस में सवार छात्र यूपी बोर्ड की हाईस्कूल की अंग्रेजी विषय की परीक्षा देने आज जा रहे थे। सभी छात्र शिव सेवा इंटर कॉलेज के बताए जा रहे हैं और परीक्षा केंद्र बाबू जे आर डी पाल इंटर कॉलेज में परीक्षा देने जा रहे थे।

मौके पर पहुंचे अभिभावकों ने बताया कि यह हादसा बस द्वारा ट्रक को ओवरटाइम करने के चक्कर में हुआ है। हालांकि बस में सवार एक घायल छात्र का कहना है की हादसे उस दौरान हुआ जबकि बस चालक मोबाइल का चार्जर लगा रहा था। ? इस दौरान उसका बस से नियंत्रण खत्म हो गया और बस ट्रक से टकरा गई। बस में करीब 51 छात्र सवार थे। हादसे में पांच छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं जबकि तीन छात्रों का पैर फ्रैक्चर हो गया है जबकि दो अन्य छात्रों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया है। हादसे में बस चालक भी गंभीर रूप से घायल है। घायलों को बहरिया सीएचसी और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया। थरवई थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ट्रक की तलाश शुरू कर दी है।

गंगा ऋषिकुलम स्कूल का 11वां वार्षिकोत्सव भव्यता के साथ संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

फाफामऊ (प्रयागराज)। गंगा ऋषिकुलम स्कूल का 11वां वार्षिकोत्सव सोमवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सभागार में भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। सुसज्जित मंच, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और छात्रों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप कमांडेंट श्रीनिवास (सीआरपीएफ, पंडिला) ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और

राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संस्कार, अनुशासन और समर्पण से युक्त शिक्षा ही बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने की प्रेरणा दी और अभिभावकों से भी बच्चों में नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर बल देने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि हर्षवर्धन बाजपेई (विधायक, शहर उत्तरी) ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत शिक्षा व्यवस्था से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को समय की आवश्यकता बताया वार्षिकोत्सव में छात्रों ने नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों से दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक मत्स्येंद्र द्विवेदी एवं प्रधानाचार्या प्रतिभा त्रिपाठी ने अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सुरेश चंद्र त्रिपाठी विधायक प्रतिनिधि अरुण शुक्ला मुकेश शुक्ला शिक्षिका वीना मैडम मीना मैडम गीता मैडमपूजा मैडम सुप्रिया मैडम सहित विद्यालय के समस्त शिक्षण स्टाफ व बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

किसान समृद्धि हमारा संकल्प " भाव के साथ समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। देश में वर्तमान कृषि की दशा व दिशा बदलने के लिए मिलकर जिम्मेदारी के साथ कार्य करना है, जिससे सभी की विजय हो। उक्त बातें वरिष्ठ महाप्रबंधक विपणन नई दिल्ली इफको श्री संजय कुलश्रेष्ठ ने बतौर मुख्य अतिथि, इफको पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान कहीं। कार्यक्रम का प्रारंभ "किसान समृद्धि हमारा संकल्प" के भाव के साथ दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य अतिथि महोदय ने वर्तमान कृषि में मिट्टी के स्वास्थ्य के प्रति सजग होने की बात कहते हुए कहा की मिट्टी में जीवांश कार्बन की मात्रा को बढ़ाने के लिए कार्य करना होगा। इसके लिए कार्बनिक खादों, हरी खाद एवं जैव उर्वरकों के प्रयोग को जिम्मेदारी पूर्वक बताना होगा । किसान भाइयों को प्रेरित करना होगा कि वह अपनी मिट्टी की जांच कर के मृदा कार्ड

के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग सुनिश्चित करें जिससे स्वस्थ एवं टिकाऊ उत्पादन मिल सके और भविष्य की कृषि के लिए मिट्टी भी सुरक्षित रहे। कृषि में जैव उर्वरकों के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि मिट्टी में मित्र जीवों की संख्या मे वृद्धि हो और

सस्ती एवं टिकाऊ खेती का रास्ता बने। उन्होंने बताया की इफको के नैनो उर्वरक पर्यावरण हितैषी हैं एवं कृषि लागत को कम करने में सहायक हैं । इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक इफको नई दिल्ली श्री एन.एम. गजेरा , इफको ई बाजार के वरिष्ठ अधिकारी श्री एन.के. भाटिया, राज्य विपणन प्रबंधक इफको उत्तर प्रदेश श्री यतेंद्र तेवतिया, ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर इफको फूलपुर इकाई के महाप्रबंधक उत्पादन श्री संजय भंडारी, इफको के संयुक्त उद्यम नैनो विजन, ई बाजार, इफको एमसी के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश के 40 क्षेत्राधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य कोरडेट डॉ.डी.के.सिंह ने सभी प्रतिभागियों को कोरडेट की गतिविधियों से परिचित कराया एवं विभिन्न इकाइयों का भ्रमण भी कराया तथा नैनो उर्वरकों, जैव उर्वरकों के विभिन्न रवि फसलों पर लगे ट्रायल्स एवं प्रदर्शनों का भी अवलोकन कराया। संयुक्त महाप्रबंधक इफको नैनो संयंत्र ,फूलपुर, श्री अरुण कुमार ने सभी प्रतिभागियों को नैनो यूरिया संयंत्र का भ्रमण कराया ।

संपादकीय

नदी को साफ रखना सामाजिक अनुशासन का विषय

मथुरा में बहती यमुना को देखते हुए मन में एक साथ कई भाव उठते हैं, स्मृति, श्रद्धा और चिंता। यह वही नदी है जिसका उद्गम उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र स्थित यमुनोत्री हिमनद से होता है, जो पहाड़ों की शीतलता और पवित्रता को अपने साथ लेकर मैदानों में उतरती है। कभी इसे कालिंदी कहा गया, कभी इसे कृष्ण की लीलाओं का साक्षी माना गया, तो कभी आगरा और इटावा के खेतों की जीवनरेखा। दिल्ली, मथुरा, वृंदावन और आगरा जैसे नगरों की सांस्कृतिक स्मृति में यह नदी केवल जलधारा नहीं, जीवन का आधार रही है। परंतु आज जब हम इसके तट पर खड़े होते हैं तो प्रश्न उठता है, क्या हम सचमुच इसके साथ खड़े हैं? पिछले कई दशकों में यमुना की स्थिति सुधारने के लिए योजनाएँ बनीं, बजट आवंटित हुए, तकनीकी ढाँचे खड़े किए गए। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की संख्या बढ़ी, नालों को इंटरसेप्ट करने के प्रयास हुए, औद्योगिक इकाइयों के लिए मानक तय किए गए। न्यायपालिका और प्रशासन दोनों ने समय-समय पर दिशा-निर्देश दिए। इन प्रयासों को नकारा नहीं जा सकता। परंतु एक बुनियादी सच्चाई यह भी है कि नदी केवल पाइपलाइन और प्लांटों से नहीं बचती; वह उन लोगों से बचती है जो उसके साथ रहते हैं। यमुना बेसिन में छह करोड़ से अधिक लोग निवास करते हैं। केवल दिल्ली महानगर की आबादी दो करोड़ के आसपास है। मथुरा, आगरा, इटावा, यमुनानगर और अन्य कस्बों को जोड़ दें तो यह संख्या और बढ़ जाती है। प्रतिदिन लाखों लीटर घरेलू सीवेज, ठोस कचरा, प्लास्टिक, पूजा सामग्री और औद्योगिक अपशिष्ट इस नदी तंत्र पर दबाव डालते हैं। सरकारें ढाँचा बना सकती हैं, पर हर गली से निकलने वाली नाली पर पहरा नहीं दे सकतीं। यहीं समुदाय की भूमिका निर्णायक हो जाती है। जब तक नदी के किनारे रहने वाला व्यक्ति यह न माने कि यमुना उसकी अपनी है, तब तक कोई भी योजना स्थायी परिणाम नहीं दे सकती। नदी का प्रदूषण केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, यह सामाजिक व्यवहार का प्रश्न भी है। हम अपने घर के आँगन को साफ रखते हैं, मोहल्ले की सड़क पर कचरा डालने से बचते हैं, पर वही कचरा जब नाले के माध्यम से नदी तक पहुँचता है, तो हमें उसका अहसास नहीं होता। नदी सार्वजनिक है और सार्वजनिक वस्तु के प्रति हमारी जिम्मेदारी अक्सर निजी वस्तु जितनी प्रबल नहीं होती। जिस प्रकार हम समाज में रहते हुए यह समझते हैं कि हमारा व्यवहार दूसरों को प्रभावित करता है, सड़क पर कचरा न फैलाना, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना, नियमों का पालन करना, उसी प्रकार का सिविक सेंस हमें अपनी नदियों और प्रकृति के प्रति भी विकसित करना होगा। यदि हम मानते हैं कि समाज के बीच हमारा आचरण मर्यादित और जिम्मेदार होना चाहिए तो प्रकृति के साथ हमारा व्यवहार भी उतना ही अनुशासित होना चाहिए। अपशिष्ट को उपचारित किए बिना जलधाराओं में न छोड़ना ये केवल पर्यावरणीय उपाय नहीं बल्कि नागरिक चरित्र के संकेत हैं। जिस दिन प्रत्येक नागरिक यह स्वीकार कर लेगा कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी सामाजिक आचरण का हिस्सा है, उसी दिन से नदियों के पुनर्जीवन की वास्तविक शुरूआत होगी। यमुना के प्रति यह जिम्मेदारी केवल पर्यावरणीय नहीं, सांस्कृतिक भी है। मथुरा और वृंदावन में इसके तट पर धार्मिक अनुष्ठान होते हैं, दिल्ली में छठ और अन्य पर्वों पर हजारों लोग इसके किनारे जुटते हैं। परंतु श्रद्धा यदि संवेदनशीलता में न बदले तो वह अधूरी रह जाती है। पूजा सामग्री का वैकल्पिक प्रबंधन, एकल-उपयोग प्लास्टिक से परहेज, सामूहिक सफाई अभियान ये छोटे कदम हैं, पर इनकी सामाजिक गूँज बड़ी होती है। इसी संदर्भ में जल सहेलियों द्वारा यमुना की अविरलता और निर्मलता के लिए निकाली जा रही यात्रा का महत्व सामने आ रहा है। जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहीं जल सहेलियाँ जब यमुना के तटवर्ती गाँवों और शहरों में कदम-दर-कदम चल रही हैं तो वह केवल प्रतीकात्मक यात्रा नहीं होती। वह संवाद का माध्यम बनती है। यह यात्रा न किसी के विरोध में है, न किसी पर आरोप लगाने के लिए; इसका उद्देश्य लोगों को उनकी अपनी नदी से पुनः जोड़ना है। इन दिनों जल सहेलियों द्वारा संचालित यह महिला-केन्द्रित यात्रा विश्व स्तर पर अपनी तरह की महत्वपूर्ण पहल है।

एआई इम्पैक्ट : मानव सभ्यता के द्वार पर दस्तक देती कृत्रिम बुद्धि

भारत में शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव माना जाता है। बार-बार यह कहा जाता है कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनके विकास में किया गया निवेश ही सच्चा विकास है। लेकिन जब हम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करोड़ों बच्चों के लिए प्रति विद्यार्थी प्रतिदिन मात्र 6.78 (प्राइमरी) और 10.17 (अपर प्राइमरी) की कुकिंग कॉस्ट पर नजर डालते हैं, तो यह आदर्शवाद कठोर यथार्थ से टकराता हुआ दिखाई देता है।

स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है–क्या वाकई इतने पैसों में बच्चों को पौष्टिक, पर्याप्त और सम्मानजनक भोजन उपलब्ध कराया जा सकता है, या फिर हम अनजाने में बच्चों के भविष्य के साथ एक सामूहिक मजाक कर रहे हैं

मध्याह्न भोजन योजना भारत की सबसे महत्वाकांक्षी और प्रभावशाली सामाजिक योजनाओं में से एक रही है। इसका उद्देश्य केवल बच्चों की भूख मिटाना नहीं था, बल्कि कुपोषण से लड़ना, विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाना और सामाजिक समानता को बढ़ावा देना भी था। विशेष रूप से गरीब, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए यह योजना कई बार दिन का एकमात्र सुनिश्चित भोजन बन जाती है। ऐसे में इस योजना के लिए तय की गई लागत का यथार्थवादी, संवेदनशील और मानवीय होना अत्यंत आवश्यक है। आज का आर्थिक परिदृश्य किसी से छिपा नहीं है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। सब्ज़ियों के दाम रोज बदलते हैं, दालें और तेल आम आदमी की थाली से दूर होते जा रहे हैं, गैस सिलेंडर की कीमत हर घर को परेशान कर रही है और दूध जैसी बुनियादी पोषण सामग्री भी लगातार महंगी हो रही है। ऐसे में यह मान लेना कि कुछ ही रुपयों में एक बच्चे के लिए संतुलित और गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार किया जा सकता है, जमीनी सच्चाई से कोसों दूर प्रतीत होता है।

सरकारी आदेशों और दिशा-निदेशों में कुकिंग कॉस्ट का जो विभाजन दिखाया जाता है, वह कागज पर भले ही संतुलित लगे, लेकिन व्यवहार में यह लगभग असंभव चुनौती बन जाता है। सब्जी, दाल, दूध, मसाले, तेल, गैस और अन्य आवश्यक खर्चों को जोड़ दिया जाए, तो तय राशि कई बार पहले ही दिन समाप्त हो जाती है। परिणामस्वरूप विद्यालयों को या तो भोजन की गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है, या मात्रा से–और कई बार दोनों से।

इसका सबसे बड़ा नुकसान बच्चों को उठाना पड़ता है। भोजन में विविधता की कमी, पोषक तत्वों का अभाव और स्वादहीनता बच्चों की रुचि को भी प्रभावित करती है। कई बच्चे भोजन पूरा नहीं करते, कुछ की स्कूल में उपस्थिति कम होने लगती है और कुछ धीरे-धीरे पढ़ाई से भी कटने लगते हैं। यह प्रभाव तुरंत आँकड़ों में नहीं दिखता, लेकिन लंबे समय में यह बच्चों की सीखने की क्षमता, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को गहराई से प्रभावित करता है।

इस पूरी व्यवस्था का एक और अक्सर अनदेखा किया जाने वाला पहलू है–रसोइये और विद्यालय स्टाफ। बेहद कम मानदेय में काम करने वाले रसोइयों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे हर दिन सैकड़ों बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार करें। कई बार उन्हें स्थानीय स्तर पर उधार लेना पड़ता है, अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है या फिर शिकायतों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि योजना की मूल भावना के भी विरुद्ध है।

विडंबना यह है कि एक ओर हम सुपोषित भारत, नई शिक्षा नीति और मानव संसाधन विकास जैसे बड़े-बड़े शब्दों का प्रयोग करते हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चों के भोजन के लिए बजट तय करते समय अत्यधिक कंजूसी दिखाई देती है। क्या यह स्पष्ट विरोधाभास नहीं है क्या हम सचमुच मानते हैं कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण पोषण के बिना संभव है

शोध और अनुभव–दोनों ही यह सिद्ध करते हैं कि शिक्षा और पोषण का गहरा संबंध है।भूखा या कुपोषित बच्चा न तो ध्यान केंद्रित कर सकता है और न ही सीखने में रुचि ले सकता है। यदि मध्याह्न भोजन योजना कमजोर होगी, तो उसका सीधा असर सीखने के स्तर, उपस्थिति और ड्रॉपआउट दर पर पड़ेगा। यह केवल एक कल्याणकारी योजना का प्रश्न नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास और सामाजिक न्याय का मुद्दा है।

एक और गंभीर समस्या यह है कि कुकिंग कॉस्ट का निर्धारण अक्सर एकरूपता के आधार पर किया जाता है, जबकि देश के अलग-अलग हिस्सों में महंगाई और बाजार दरें अलग-अलग हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लागत का अंतर स्पष्ट है, फिर भी तय राशि लगभग समान रहती है। इससे कई क्षेत्रों में विद्यालयों के लिए इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करना और भी कठिन हो जाता है।

समय की मांग है कि सरकारें इस विषय को केवल प्रशासनिक औपचारिकता के रूप में न देखें, बल्कि इसे नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें। कुकिंग कॉस्ट का नियमित और स्वचालित पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिसे महंगाई दर और स्थानीय बाजार मूल्यों से जोड़ा जाए। साथ ही निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि बढ़ी हुई राशि वास्तव में बच्चों के भोजन पर ही खर्च हो। यह भी आवश्यक है कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों और रसोइयों की आवाज को नीति-निर्धारण की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। वे रोज इस व्यवस्था की वास्तविक चुनौतियों का सामना करते हैं और उनके अनुभव किसी भी फाइल नोटिंग से कहीं अधिक मूल्यवान हैं।

सरकारों को यह समझना होगा कि मध्याह्न भोजन योजना कोई बोझ नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश है। आज अगर बच्चों की थाली मजबूत होगी, तो कल देश की अर्थव्यवस्था, समाज और लोकतंत्र भी मजबूत होंगे

रिश्ते, शर्तें और डर से घिरी एक पीढ़ी

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में यदि कोई सबसे जोखिम भरा सामाजिक कार्य है, तो वह है–किसी को रिश्ते की बात कहना। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि हमारे बदलते सामाजिक मानस की सच्चाई है। जिस विषय को कभी परिवार, भरोसे और सामूहिक निर्णय का आधार माना जाता था, वह आज शर्तों, अपेक्षाओं और भय की प्रयोगशाला बन चुका है। परिणाम यह है कि अच्छे-खासे घरों में पढ़े-लिखे, सक्षम युवा कुंवारे बैठे-बैठे अधेड़ हो रहे हैं, लेकिन समझौते को कमजोरी मानकर ठुकराया जा रहा है। आज रिश्ते भावनात्मक समझ से अधिक तकनीकी परियोजना की तरह देखे जा रहे हैं। हर प्रस्ताव एक लंबी चेकलिस्ट के साथ आता है–हाइट कितनी है, रंग कैसा है, पैकेज कितना है, घर कितना बड़ा है, जमीन कितनी है, माता-पिता कितने हस्तक्षेप करते हैं, भविष्य में कौन कितना एडजस्ट करेगा। इस गणित में मनुष्य गायब है, आंकड़े उपस्थित हैं। यही वजह है कि रिश्ता तय करने में महीनों लगते हैं, पर टूटने में कुछ हफ्ते भी पर्याप्त हो जाते हैं। यह पीढ़ी सुविधाओं की भाषा में रिश्ते तलाश रही है। लड़कियों को ऐसा घर चाहिए जहाँ घरेलू श्रम की कोई अपेक्षा न हो, जहाँ जिम्मेदारी का बोझ पुरानी सोच मान लिया जाए। वहीं लड़कों को ऐसी बहू चाहिए जो आधुनिक भी हो और परंपरागत अपेक्षाओं का निर्वाह भी बिना सवाल किए करे।

> जिस समाज की जड़ें श्रम में थीं, वहाँ अब श्रम से दूरी और संपत्ति से निकटता प्रतिष्ठा का मानक बन गई है। रिश्ता तय करते समय परिश्रम, धैर्य, संघर्ष और जीवन–कौशल की जगह संपत्ति, पद और प्रोफाइल ने ले ली है

दोनों पक्ष चाहते हैं कि सामने वाला समझौता करे, पर स्वयं झुकने को कोई तैयार नहीं। रिश्ते साझेदारी नहीं, सेवाओं की सूची बनते जा रहे हैं। हनीमून पेरिस में मनाने का सपना है, लेकिन अपने ही देश और अपने परिवेश की जिम्मेदारियों से बचने में पसीना छूट जाता है। यह विरोधाभास केवल भौगोलिक नहीं, मानसिक है। वैश्विक आकांक्षाएँ हैं, पर स्थानीय दायित्वों से परहेज। आधुनिकता का अर्थ सुविधाओं का उपभोग समझ लिया गया है, दायित्वों को स्वीकार करना नहीं।

खेती किसी को करनी नहीं, पर जमीन–कि ल्ले–जरूर होने चाहिए। मेहनत का सम्मान घटा है, संपत्ति का आकर्षण बढ़ा है।

जिस समाज की जड़ें श्रम में थीं, वहाँ अब श्रम से दूरी और संपत्ति से निकटता प्रतिष्ठा का मानक बन गई है। रिश्ता तय करते समय परिश्रम, धैर्य, संघर्ष और जीवन-कौशल की जगह संपत्ति, पद और प्रोफाइल ने ले ली है। इंसान का मूल्यांकन उसके चरित्र से नहीं, उसके संसाधनों से किया जा रहा है। आज एक-एक इंच हाइट नापी जाती है; रंग, जाति, सैलरी, कार और सोशल मीडिया की मौजूदगी तक गिनी जाती है। विवाह-पूर्व जाँच एजेंसियों की तरह रिश्तों की पड़ताल होती है। लेकिन तमाम जाँच-पड़ताल के बावजूद छह महीने बाद वही लोग कोर्ट के बाहर खड़े मिल जाते हैं। सवाल यह नहीं कि तलाक क्यों बढ़ रहे हैं; सवाल यह है कि इतनी सावधानी के बाद भी रिश्ते टिक क्यों नहीं रहे? क्योंकि हमने मानवीय गुणों को मापना छोड़ दिया है–संवाद, सहनशीलता, धैर्य, असहमति में सम्मान और संकट में साथ निभाने की क्षमता।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे त्रासद स्थिति माँ-बाप की है। वे बच्चों से डरते हैं–कि कहीं कुछ कह न दें, कहीं दबाव न डाल दें, कहीं इमोशनल ब्लैकमेल का आरोप न लग जाए।

जगमगाते महानगरों के भीतर पनपती खामोश महामारी

आरके जैन

पहले शहरों को उम्मीदों की फैक्ट्री कहा जाता था। यहाँ रोशनी कभी बुझती नहीं, सपने थकते नहीं और भीड़ ठहरती नहीं। फिर भी इस अनवरत चहल-पहल के बीच एक गहरी खामोशी जन्म ले रही है। 1.4 अरब लोगों के देश में, जहाँ हर प्लेटफॉर्म, हर चौराहा, हर बाजार भीड़ से अटा है, वहीं दिलों के भीतर सूनापन फैलता जा रहा है। ऊँची इमारतों की जगमगाती खिड़कियाँ बताती हैं कि लोग मौजूद हैं, पर मौजूदगी और अपनापन अलग बातें हैं। शहरों ने हमें कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा किया, मगर दिलों के बीच फासले बढ़ा दिए। यही फासला अब महामारी की तरह फैल रहा है। सर्वे बताते हैं कि 61 प्रतिशत भारतीय अकेलापन महसूस करते हैं, और युवाओं में यह दर सबसे अधिक है। अकेलापन अब केवल निजी कमजोरी नहीं, हमारी सामाजिक बनावट की दरार है। महानगरों की दौड़ ऐसी है कि रिश्ते रास्ते में छूट जाते हैं। सुबह की सिटी बस या मेट्रो में सैकड़ों चेहरे साथ चलते हैं, पर कोई नजर किसी पर ठहरती नहीं। सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स जुड़ते हैं, पर कठिन समय में सहारा देने वाला हाथ नहीं मिलता। डिजिटल जुड़ाव ने संवाद का आभास रचा, मगर उसकी संवेदना छीन ली। इमोजी हँसते हैं, पर असली मुस्कान की गर्माहट गायब है। यह बनावटी निकटता भीतर के शून्य को और गहरा करती है–मानो भीड़ के बीच खड़ा व्यक्ति अपने ही अस्तित्व से दूर हो गया हो। आज का शहर प्रतिस्पर्धा की प्रयोगशाला बन गया है, जहाँ हर व्यक्ति खुद को साबित करने की दौड़ में सांस ले रहा है। नौकरी की अस्थिरता, बढ़ती महँगाई, किराए का बोझ और करियर की अनिश्चितता मन पर अदृश्य दबाव बनाते हैं। आर्थिक सुरक्षा की खोज में लोग भावनात्मक सहारे से समझौता कर बैठते हैं। रिश्ते समय चाहते हैं, और समय सबसे महँगी पूँजी हो चुका है। परिवार सिमटते गए, पड़ोसी अपरिचित होते गए, दोस्तियाँ औपचारिकताओं में बदलती गईं। नतीजा यह कि इंसान सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता रहा, पर भीतर की सीढ़ियाँ दरकती रहीं। उपलब्धियों के शोर में दिल की धीमी आवाज कहीं खोती चली गई। भारत जैसे देश में, जहाँ सामूहिकता परंपरा की पहचान रही है, वहाँ भी यह बदलाव साफ दिखता है। कभी आँगन में दादी की कहानियाँ गूँजती थीं, मोहल्ले की चौपालें सजती थीं और त्योहार मिलन का बहाना बनते थे। अब त्योहार इंस्टाग्राम स्टोरी बन गए हैं, परिवार व्हाट्सऐप ग्रुप तक सिमट गया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल जीवनशैली ने ले ली है। स्वतंत्रता तो बढ़ी है, पर सहारा कम हो गया है।

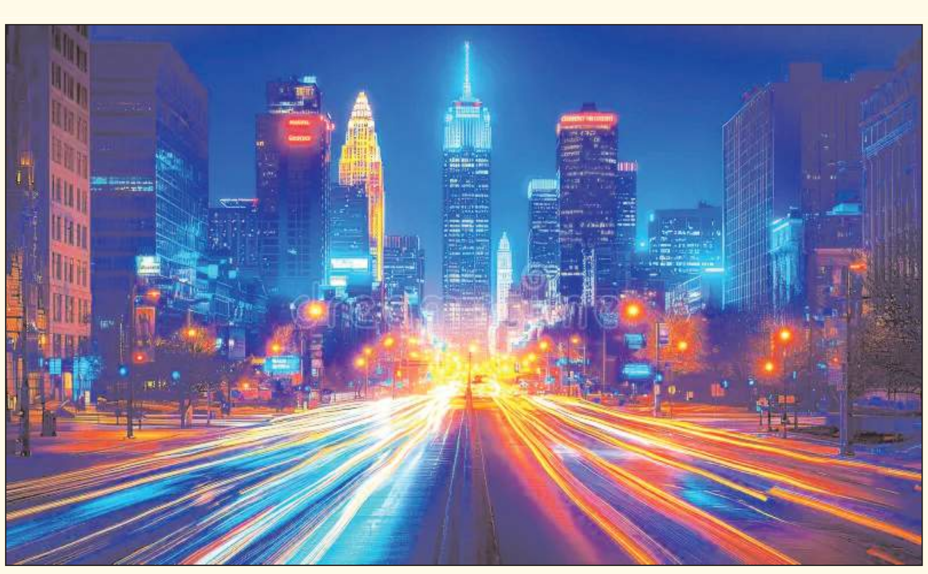

आधुनिकता ने विकल्पों की भरमार दी, मगर उसी ने स्थायित्व छीन लिया। बदलते सामाजिक ढाँचे में व्यक्ति स्वायत्त तो हुआ, पर भीतर से और अधिक अकेला। यही विरोधाभास शहरों की गहरी त्रासदी बन चुका है। रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में लाखों लोग अपने कस्बों और गाँवों से दूर आ बसे हैं।

इस बदलाव ने अवसर तो दिए, पर पहचान की मिट्टी छीन ली। नए शहर में सब कुछ नया होता है–भाषा की लय, व्यवहार की शैली, जीवन की रफ्तार। व्यक्ति रोजाना अनुकूलन करता है, पर भीतर कहीं जड़ों की तलाश बनी रहती है। त्योहारों पर घर न पहुँच पाने की कसक, अपनों की आवाज से दूरी और साझा स्मृतियों का अभाव मन को अनकहा बोझ दे जाता है। नए संबंध बनते हैं, पर पुराने जैसा सहज भरोसा नहीं पनपता। यह विस्थापन बाहर से उपलब्धि लगता है, भीतर से रिक्तता का कारण बन जाता है। मानसिक स्वास्थ्य के आँकड़े इस सच को और तीखा कर देते हैं। अवसाद, चिंता और अनिद्रा की समस्याएँ तेजी से फैल रही हैं। विडंबना यह कि भीड़ से भरे शहरों में भी लोग अपनी पीड़ा चुपचाप ढोते हैं; मदद माँगना अब भी कमजोरी माना जाता है। सफलता की चमक के पीछे संघर्ष की छाया दिखती नहीं। कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमग इमारतों में बैठे अनेक लोग भीतर से दरके होते हैं। वे पेशेवर मुस्कान ओढ़े रहते हैं, पर निजी जीवन में संवाद का अभाव झेलते हैं। समाज ने उपलब्धियों को सराहा, पर भावनात्मक संतुलन को अनदेखा किया। यही असंतुलन अब धीमे-धीमे महामारी का रूप ले चुका है। शहरों की बनावट भी इस अकेलेपन को गहरा करती है। गेटेड सोसायटी सुरक्षा तो देती हैं, पर ऊँची दीवारें संवाद के रास्ते बंद कर देती हैं। पड़ोसी वर्षों तक एक-दूसरे का नाम तक नहीं जानते। पार्कों में लोग साथ-साथ चलते हैं, पर अपनी-अपनी दुनिया में गुम रहते हैं। सार्वजनिक स्थल सिमट रहे हैं, और निजी स्क्रीन फैलती जा रही हैं। बच्चे मैदानों से ज्यादा मोबाइल पर समय बिताते हैं। बुजुर्ग अपार्टमेंट की बालकनी से नीचे झाँकते हैं, पर बातचीत का अवसर दुर्लभ है। भौतिक विकास ने सुविधाएँ बढ़ाईं, पर मानवीय स्पर्श घटा दिया। यही स्पर्शहीनता दिलों को भीतर से बंजर बना रही है।

फिर भी इस अँधेरे में आशा की लौ टिमटिमा रही है। कई शहरों में सामुदायिक पहलें जन्म ले रही हैं, जहाँ लोग पुस्तक क्लबों, कला कार्यशालाओं और सामाजिक समूहों के जरिये फिर से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद शुरू हुआ है। नई पीढ़ी अपनी भावनाएँ व्यक्त करने में पहले से अधिक निर्भीक दिखती है। कार्यस्थलों पर वेलनेस कार्यक्रम और लचीले समय की अवधारणा भी जगह बना रही है। यह संकेत है कि समाज समस्या को पहचानने लगा है। और पहचान ही समाधान की पहली सीढ़ी होती है।

जब हम स्वीकारते हैं कि अकेलापन सच है, तभी उससे लड़ने की दिशा में ठोस कदम उठते हैं। अंततः प्रश्न यह नहीं कि शहरों में कितने लोग बसते हैं, बल्कि यह कि कितने दिल सचमुच जुड़े हैं। 1.4 अरब की आबादी में भी यदि व्यक्ति खुद को अनसुना पाए, तो कमी संख्या में नहीं, संवेदना में है। हमें संवाद की संस्कृति को फिर से सांस देनी होगी।

विकसित भारत की नींव रखने वाला साहसिक बजट

डॉ.जयंतीलाल

यकीनन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की तस्वीर में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि यह बजट आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट है। इस बजट में वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत सुधारों की प्रतिब्धता को आगे बढ़ाते हुए तीन कर्तव्यों पर बजट को आधारित किया है। इनमें उत्पादकता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ना, लोगों की आशंकाओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और सबका साथ, सबके विकास के मद्देनजर ढांचागत सुधार के साथ प्रगति करना शामिल है। इस बजट में रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपए सुनिश्चित किए गए हैं। यद्यपि बजट के तहत इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू किया जाना सुनिश्चित करके आयकर संबंधी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और आयकर भरना आसान किया गया है। बजट के नए प्रावधानों से बुनियादी ढांचा, छोटे शहर, एमएसएमई, शिक्षा, पर्यटन और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में नई पीढ़ी के लिए रोजगार के व्यापक मौके बढ़ेंगे। खास बात यह भी है कि आगामी वर्ष के बजट के तहत वित्त मंत्री राहत और विकास के बीच सूझबूझ पूर्ण संतुलन बनाते हुए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी के स्तर पर सीमित रखने और सात फीसदी से अधिक विकास दर पाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। गौरतलब है कि नए बजट के तहत वित्त मंत्री ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चिता, भू राजनीतिक तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में धीमेपन के बीच अगली पीढ़ी के सुधार, नीतिगत स्थिरता व दीर्घकालीन विकास की रणनीति के साथ घरेलू मांग की मजबूती पर्यावरण नवाचार, उद्यमिता बुनियादी ढांचा, कृषि विकास, गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग के लिए राहत के प्रभावी प्रावधानों के साथ मैन्युफैक्चरिंग, सेवा क्षेत्र रक्षा, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग (एमएसएमई) स्वदेशी प्रोत्साहन और हरित ऊर्जा पर बड़े ऐलान किए हैं। इनके साथ-साथ भारत को वैश्विक बायो फॉर्मा केंद्र बनाने, शहरी आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण, नए राष्ट्रीय जल मार्ग, सात हाई स्पीड कोरिडोर, व्यापार सुंगमता, कंटेंनर निर्माण, बुजुर्गों के लिए मजबूत इकोसिस्टम, टीयर-2 और टीयर-3 शहरों के विकास के लिए प्रभावी प्रावधान किए गए हैं। निश्चित रूप से वित्तमंत्री इस बजट के माध्यम से युवाओं के रोजगार बढ़ाने, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढालने, प्रधानमंत्री कौशल मुद्रा योजना, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ाने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, वित्तीय समावेशन को बेहतर करने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने संबंधी प्रभावी प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं।

नए बजट में हर क्षेत्र में आर्टिफिशल इटेंलिजेंस (एआई) को अहमियत हेतु प्रावधान किए गए है, ताकि भारत एआई का वैश्विक हब बन सके। चूँकि इस समय चीन, पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश से भी देश की बाहरी सुरक्षा के खतरे बढ़े हैं, ऐसे में सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए बजट में अधिक धन का आवंटन किया गया है।

वित्त मंत्री ने इस बजट में भारत को दुनिया के बाजार और अधिक प्रभावी रूप से जुड़ने और भारत को निर्यात का नया हब बनाने के लिए नई रणनीति प्रस्तुत की है। भारत को यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बाद दुनिया के बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बूस्ट करने के प्रोत्साहनमूलक प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं।

रामयश महाविद्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का पढ़ाया गया पाठ

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज/प्रयागराज। सोमवार को रामयश महाविद्यालय मलाक बलउ नवाबगंज के प्रबंधक संगम मिश्र ने ठरर के सातवें दिन समापन समारोह में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूवात की और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को बढ़ावा दिया, और बताया समाज में महिलायें दिन प्रतिदिन आगे बढ़ रही है। ठरर कार्यक्रमाधिकारी विवेक मिश्र ने कार्यक्रम के दौरान कहा सिर्फ कमजोर से नहीं बल्कि ताकतवर लोगो से तुलना करो और आगे बढ़ो, और समाज में कमजोर लोगों की मदद करो। एवं समाज में शिक्षा के लिये लोगों को जागरूक किया जाए। प्रबंधक और ठरर कार्यक्रमाधिकारी स्वयं सेवकों को मेडल और ट्रॉफी से सम्मानित किया। मेडल पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्राचार्य डॉ विकास प्रभात इस दिन के लिए बच्चो को ढेर सारी कुमार बधाई दी। इस अवसर पर स्वयं सेवको ने लोक नृत्य, कामेडी, चुटकुल्ला आदि प्रस्तुत किये, उक्त कार्यक्रम में राजीव मणि, रोहित मिश्र, प्रवीण मिश्र, आशीष कुमार, अन्नूप मिश्र, ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव एवं समस्त स्टाफ तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

साइबर फ्राड के प्रति सचेत किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा थाना शिवकुटी क्षेत्र स्थित स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी सलोरी में साइबर जागरूकता अभियान चलाकर छात्र–छात्राओं को जागरुक किया गया। जागरूकता अभियान में प्रतिभाग करने वाले करीब 80 छात्र छात्राओं को साइबर अपराध के प्रति जागरुक करने के अलावा रोकथाम हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए गए। बताया गया कि किसी भी व्यक्ति के साथ साइबर फ्राड होने के दशा में 1930 पर कॉल एवं www.CyberCrime.gov.in, www.cyber-police.uppolice.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

यू जी सी अधिनियम

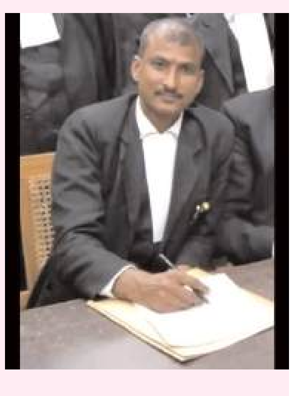

2026 एक अस्पष्ट,एकतरफा और अकादमिक स्वतंत्रता के लिए हानिकारक है भेदभाव या उत्पीड़न की परिभाषा काफी व्यक्तिपरक है जिसका उपयोग प्रोफेसर और सामान्य वर्ग के छात्रों को फंसाने के लिए किया जा सकता है यह नियम विश्वविद्यालय प्रशासन की स्वायत्तता को सीमित करता है और शिक्षकों और छात्रों पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालता है जिससे उच्च शिक्षा के वातावरण पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

बिपिन कुमार पांडेय अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने मऊआइमा में लगाई किसान पंचायत

मांगों को लेकर जमीन पर लेट कर दिया धरना

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोमवार को तहसील सोरांव के ब्लॉक मऊआइमा से जुड़े कई एक गंभीर प्रकरण गरीब एवं किसानों की समस्या समाधान हेतु मऊआइमा ब्लाक परिसर में सैकड़ों किसानों की उपस्थिति में भाकियू अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने किसान पंचायत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास योजना में अनियमितता, भेदभाव बरते जाने, गरीब असहाय विधवा महिला रामपति को आवास से वंचित कर दिए जाने एवं मानी उमरपुर में मनरेगा के कार्यों में घोटाला, प्रधान की जगह दूसरे द्वारा प्रधानी किए जाने, अलावलपुर में नहरो की टूटी नालियों का रिपेयर किए जाने एवं छुट्टा आवारा पशु को पकड़वाए जाने तथा ब्लॉक के सभी सीएचसी अस्पतालों में फर्जी मेडिकल बनाए जाने एवं इफको यूरिया फूलपुर फैक्ट्री के द्वारा 66000 केवीए का तार जबरन किसानों की जमीन से खींचे जाने एवं आवास विकास परिषद के द्वारा कौड़िहार के टिकरी मूसेमऊ दिलावलपुर की जमीन जबरन अधिग्रहण किए जाने एवं सिंगापुर मखदुमपुर समेत कई अन्य गांवों में भूमि माफियाओं के नाम खतौनी से ना हटाए जाने संबंधी 21 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को संबोधित करते हुए बबलू दूबे मंडल अध्यक्ष मंडल प्रयागराज के द्वारा ज्ञानेंद्र कुमार उप जिला अधिकारी तहसील सोरांव को बीडीओ मऊआइमा की उपस्थिति में दिया गया। विकास खंड अधिकारी मऊआइमा द्वारा यह कहने कि धरना देने पर ही काम होगा हमारे पास समय नहीं है किसी का काम करने के लिए को सुनकर सारे भा कि यू अराजनैतिक संगठन के कार्यकर्ता नाराज हो गए एवं नाराज होकर मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे सहित सारे लोग ब्लॉक परिसर में धूप में जमीन पर लेट कर धरना शुरू कर दिया। जिला अधिकारी प्रयागराज से मंडल अध्यक्ष के द्वारा फोन पर इसकी जानकारी दी गई। उसके बाद उप जिला अधिकारी सोरांव ज्ञानेंद्र प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर ज्ञापन की सभी समस्याओं का एक सप्ताह के अंदर समाधान कराए जाने का आश्वासन देकर पंचायत समाप्त कराया। मौके पर राजेंद्र कुमार मंडल सचिव विजय कुमार पटेल युवा गंगापार अध्यक्ष सोना सिंह युवा महिला गंगापार अध्यक्ष नरेंद्र देव पटेल तहसील अध्यक्ष पवन पटेल युवा ब्लॉक अध्यक्ष विनय तिवारी गोविंद बहादुर सिंह जिला सचिव हरिश्चंद्र युवा मंडल सचिव अंगद मौर्या ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार युवा ब्लॉक अध्यक्ष आदित्य बर्मा युवा ब्लाक उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम न्याय पंचायत अध्यक्ष कमलेश यादव तहसील अध्यक्ष कमलेश पटेल युवा तहसील अध्यक्ष ज्ञान सिंह ब्लॉक अध्यक्ष मुन्ना मिश्रा ब्लॉक उपाध्यक्ष राजकुमार यादव अवधेश कुमार पटेल महेंद्र पटेल आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से पूछताछ के लिए झूंसी पुलिस वाराणसी पहुंची

कोर्ट के आदेश पर दर्ज पाक्सो एक्ट के मुकदमे की विवेचना शुरू

वाराणसी।
ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण मामले में दर्ज मुकदमे की जांच शुरू हो गई है। कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज होने के बाद इस मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद सहित अन्य तीन व्यक्तियों से पूछताछ के लिए झूंसी पुलिस (प्रयागराज) सोमवार को वाराणसी पहुंच गई। इस घटनाक्रम को लेकर शहर में चर्चा का माहौल बना हुआ है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा केदारघाट स्थित श्रीविद्यामठ में शंकराचार्य सहित अन्य आरोपितों से विस्तृत पूछताछ करेंगे। ।
दरअसल, शनिवार को जिला पाक्सो एक्ट कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस को अभियोग पंजीकृत कर विवेचना करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने खास तौर पर निर्देशित किया है कि इस मामले में विवेचना निष्पक्ष, स्वतंत्र और शीघ्र की जाय। यह मुकदमा शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी के दायर अर्जी पर हुआ है। इसमें शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद पर माघ मेले के दौरान नाबालिग लड़कों से यौन शोषण का आरोप लगाया गया था।

बंद मकान में मिला अधेड़ व्यक्ति का शव

कन्नौज।
उतर प्रदेश में कन्नौज जिले के छिबरामऊ में सोमवार को एक बंद मकान में अधेड़ व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।
यह घटना छिबरामऊ नगर के गोविंद कॉम्प्लेक्स की है। पीपल वाली गली स्थित बस्तीराम मोहल्ले में रहने वाले संजीव कुमार (50) पिछले करीब पांच साल से किराए के मकान में रह रहे थे। वह फेरी लगाकर ब्रेड और नमकीन की सप्लाई कर अपना जीवन यापन करते थे।
पिछले कुछ दिनों से उनके किराए के मकान में ताला लगा हुआ था। मकान मालिक राहुल गुप्ता को पड़ोसियों ने मकान से दुर्गंध आने की सूचना दी। राहुल गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विष्णुकांत तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।
पुलिस ने मकान का ताला तुड़वाया। अंदर जाने पर संजीव का शव पड़ा मिला। पड़ोसियों ने बताया कि संजीव गुप्ता फेरी लगाने के बाद मकान में चले जाते थे और फिर खाना देने वाले से बाहर से ताला लगवा देते थे। घटना की जानकारी मिलने पर संजीव के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। कोतवाल ने बताया कि संजीव अविवाहित और शराब पीने के आदी थे। पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे।
पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच की जा रही। संजीव के भाई प्रदीप गुप्ता ने इस संबंध में कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है।

नकल कराते मिले शिक्षक पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट

5648 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी का पेपर छोड़ा, 333 केंद्रों पर हुई परीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की परीक्षा में सोमवार को प्रयागराज जिले के दूसरी पाली की परीक्षा में कड़ेदीन सिंह स्मारक इंटर कालेज मदारी, मऊआइमा में उड़ाकादल ने नकल का मामला पकड़ा। नकल कराने के आरोप में कक्ष निरीक्षक वेद व्यास मिश्र को हिरासत में लेते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उनके पास से प्रश्नों के उत्तर लिखे कुछ पन्ने मिले। उन पर गणित और जीव विज्ञान की परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों को नकल कराने का आरोप है। केंद्र व्यवस्थापक बृजराज के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस को वाह्य केंद्र व्यवस्थापक सुचित शर्मा की ओर से तहरीर दी गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह की ओर से यह जानकारी दी गई कि अन्य केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया कि पहली पाली में हाईस्कूल की अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। 87236 विद्यार्थी पंजीकृत थे लेकिन 81588 ने परीक्षा दी और 5648 ने पेपर छोड दिया। इसी पाली में इंटर मीडिएट की फल एवं खाद्य संरक्षण, पाक शास्त्र, परिधान रचना एवं सज्जा, धुलाई तथा रंगाई, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी, टेक्सटाइल डिजाइन, बुनाई तकनीक, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिशु प्रबंधन जैसे विषयों की परीक्षा हुई। इसके लिए 546 विद्यार्थी पंजीकृत थे जबकि 528 ने परीक्षा में हिस्सा लिया। 18 विद्यार्थी परीक्षा देने के लिए नहीं पहुंचे। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया कि आज की दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की जीव विज्ञान और गणित विषय की परीक्षा कराई गई। 73669 छात्र छात्राओं का पंजीकरण था लेकिन

हर पात्र का नाम होगा मतदाता सूची में दर्ज : जिलाधिकारी

कानपुर।
प्रत्येक आवेदन का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए।
प्रकाशित आलेख्य सूची की उपलब्धता, फॉर्म-6 व फॉर्म-8 की स्थिति तथा मतदाताओं की उपस्थिति पर विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे और अपात्र नामों को नियमानुसार हटाया जाए। यह बातें रविवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।
विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत आयोजित ह्यबूथ-दिवसह्व पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदेय स्थलों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जय नारायण विद्या मंदिर स्थित बूथ संख्या 236 से 242 तथा कंपोजिट विद्यालय, पुराना कानपुर स्थित बूथ संख्या 296 से 305 पर पहुंचकर मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़ी प्रक्रिया को परखा।

बस–ट्क में टक्कर, यूपी बोर्ड के पांच परीक्षार्थी गंभीर गंगानगर जोन के थरवई थाना क्षेत्र में हुई दुर्घटना

घायल छात्र ने बताया कि बस चालक मोबाइल का चार्जर लगा रहा था उस दौरान घटना हुई

तीन छात्रों का पैर फ्रैक्चर, दो छात्रों अस्पताल में भर्ती

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर जोन के थरवई थाना क्षेत्र में सोमवार को स्कूली बच्चों से भरी बस और ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में यूपी बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे पांच छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि दर्जनों छात्र घायल हो गए। यह हादसा बेरुई गांव के पास फाफामऊ सहसों फोरलेन हाइवे पर हुआ।
बस में सवार छात्र यूपी बोर्ड की हाईस्कूल की अंग्रेजी विषय की परीक्षा देने आज जा रहे थे। सभी छात्र शिव सेवा इंटर कॉलेज के बताए जा रहे हैं और परीक्षा केंद्र बाबू जे आर डी पाल इंटर कॉलेज में परीक्षा देने जा रहे थे।
मौके पर पहुंचे अभिभावकों ने बताया कि यह हादसा बस द्वारा ट्रक को ओवरटाइम करने के चक्कर में हुआ है। हालांकि बस में सवार एक घायल छात्र का कहना है की हादसे उस दौरान हुआ जबकि बस चालक मोबाइल का चार्जर लगा रहा था। ? इस दौरान उसका बस से नियंत्रण खत्म हो गया और बस ट्रक से टकरा गई। बस में करीब 51 छात्र सवार थे। हादसे में पांच छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं जबकि तीन छात्रों का पैर फ्रैक्चर हो गया है जबकि दो अन्य छात्रों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया है। हादसे में बस चालक भी गंभीर रूप से घायल है। घायलों को बहरिया सीएचसी और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया। थरवई थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ट्रक की तलाश शुरू कर दी है।

'पृथ्वी बचाने के लिए सभी को एक पौध जरूर लगाना चाहिए'

पोस्टर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयाग सेवा संगम संस्था की तरफ से आयोजित पोस्टर कला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। बाजवा निवास सिविल लाइंस में आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि एसके पाल, एडीशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया उच्च न्यायालय इलाहाबाद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष मोहन ने की। पोस्टर प्रतियोगिता तीन एवं निबंध प्रतियोगिता में चार ग्रुप में पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर संस्था के सचिव राजेश श्रीवास्तव ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया। तीन ग्रुप के पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अद्विता चौधरी, वान्या यादव, आयसा यादव, द्वितीय पुरस्कार स्वास्ति गुप्ता, याशिता सिंह, समीक्षा पांडेय तथा तृतीय पुरस्कार सदकिन, वंश जवाहर, मृदुल गौतम को प्रदान किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रज्ञा त्रिपाठी, प्रांजल त्रिपाठी, आर्यन वर्मा, अलीशा वर्मा, द्वितीय पुरस्कार दिव्या मिश्रा, पल्लवी शर्मा, रोहित गौड़, समीक्षा पांडेय तथा तृतीय पुरस्कार अर्पिता शुक्ला, शिवालिका दीप्ति, अपर्णा, काव्या मिश्रा को मिला। इसके अतिरिक्त सभी ग्रुपों में सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। सभी निर्णायकों को भी मंच पर सम्मानित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के चित्रकार रवीद्र कुशवाहा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए सभी को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए जो पेड़ बनकर मनुष्य को जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान कर सके। मुख्य वक्ता रानी रेवती देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय ने बिखरते परिवार को बचाने का संकल्प दिलाते हुए समाज को संयुक्त परिवार की अवधारणा व उसकी खूबियां गिनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन एवं समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में मिल्कियत सिंह बाजवा, मिसेज बाजवा, शैलेश श्रीवास्तव, शादमा सहित सैकड़ों छात्र एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोरखपुर नगर निगम ने चलाया वृहद सफाई महा-अभियान, महापौर एवं अधिकारियों ने किया श्रमदान

गोरखपुर, 22 फरवरी (हि.स.)। नगर निगम गोरखपुर द्वारा शहर को स्वच्छता के शिखर पर पहुँचाने के उद्देश्य से रविवार को राप्ती नदी के तट स्थित रामघाट पर एक विशाल स्वच्छता महापर्व का आयोजन किया गया। "स्वच्छता की नई पहल - बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ" थीम के अंतर्गत आयोजित इस महा-अभियान का नेतृत्व महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव एवं नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने किया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को गति देते हुए महापौर और अधिकारियों ने स्वयं झाड़ू और फावड़ा थामकर श्रमदान किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को शहर की सफाई के प्रति अपनी साझा जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।
इस वृहद अभियान में प्रशासनिक अनुशासन और जन-भागीदारी का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। डीडीयू विश्वविद्यालय के छात्रों, विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, पार्षदगणों और नगर निगम की पूरी टीम सहित 500 से अधिक नागरिकों ने इस सेवा कार्य में हिस्सा लिया।
अभियान के दौरान अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा, प्रमोद कुमार, अतुल कुमार, महाप्रबंधक जलकल रघुवेंद्र कुमार, सभी जोनल अधिकारी, अधिशासी अभियंता (निर्माण) एवं स्वच्छता चैंपियंस ने कदम से कदम मिलाकर श्रमदान किया। इस सामूहिक प्रयास के फलस्वरूप मात्र कुछ ही घंटों में रामघाट परिसर को पूरी तरह कचरा मुक्त कर दिया गया।

ग्राहक बनकर ज्वैलरी दुकान आया युवक 40 हजार की अंगूठियां लेकर फरार

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में जिगना थाना क्षेत्र के हरगढ़ बाजार में सोमवार सुबह ज्वैलरी दुकान पर ग्राहक बनकर आए युवक ने 40 हजार रुपये कीमत की दो सोने की अंगूठियां पार कर दीं। घटना के बाद बाजार में हड़कंप मच गया।
हरगढ़ निवासी प्रिंस कुमार पुत्र ताड़केश्वरनाथ की ज्वैलरी की दुकान है। आज दुकान खुलते ही एक युवक पहुंचा और अपना नाम-पता बताकर सोने की अंगूठियां दिखाने को कहा। उसने दो अंगूठियां पसंद कीं और बातों-बातों में जेब में रख लीं। जब दुकानदार ने रुपये मांगे तो युवक बोला कि नकदी बाइक की डिग्गी में है। यह कहकर वह बाहर निकला और बाइक स्टार्ट कर फरार हो गया।
दुकानदार ने दौड़ कर पीछा किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। पीड़ित दुकानदार थाने पहुंचा और थानेदार को मामले की जानकारी देते हुए तहरीर दी। जिसमें उसने चड़ैचा गांव निवासी सौरभ मिश्रा पुत्र बबलू मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।
थाना प्रभारी जिगना संजय कुमार सिंह ने बताया कि ज्वैलरी दुकानदार की तहरीर पर नामजद आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया

बीयर उद्योग उत्तर प्रदेश में 5,500 करोड़ का निवेश करेगा

- 2,000 करोड़ के निवेश वाले दो बड़े एल्युमीनियम कैन उत्पादन संयंत्र पाइपलाइन में

नई दिल्ली ।

ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने घोषणा की है कि बीयर उद्योग अगले तीन साल में उत्तर प्रदेश में नई इकाइयों और सहायक सुविधाओं में लगभग 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। बीएआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उद्योग राज्य में बड़ा दांव लगा रहा है और नई आबकारी नीति को प्रगतिशील बताते हुए इसका स्वागत किया है। अे धिकारी ने कहा कि 1,500 करोड़ रुपये की लागत वाली दो नई ब्रूअरीज पर काम पहले से ही चल रहा है। इसके अलावा, 2,000 करोड़ रुपये के निवेश वाले दो बड़े एल्युमीनियम कैन उत्पादन संयंत्र पाइपलाइन में हैं। इसी तरह, 2,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कुछ ग्लास उत्पादन इकाइयाँ भी जल्द शुरू होंगी। इसके अतिरिक्त माल्टिंग और पेपर बॉक्स निर्माण इकाइयों की योजना भी तैयार की जा रही है। बीएआई के अनुसार इन सभी निवेशों से न केवल उद्योग को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में नई नौकरियों का सृजन भी होगा। यह निवेश उत्तर प्रदेश को बीयर उद्योग में एक प्रमुख केंद्र बनाने में मदद करेगा। बीएआई तीन प्रमुख कंपनियों - यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड (यूबीएल), एबीइनबेवऔर कार्ल्सबर्ग का प्रतिनिधित्व करती है। ये कंपनियां भारत में बिकने वाली कुल बीयर का 85 प्रतिशत नियंत्रित करती हैं और देश में 55 से अधिक ब्रूअरीज संचालित करती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति लागू की है। बीएआई के मुताबिक यह नीति लाइसेंसिंग और मंजूरी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाती है और कराधान, वितरण और लाइसेंसिंग के नियम स्पष्ट करती है।

फरवरी के आखिरी हफ्ते में निवेशकों के लिए डिविडेंड का अवसर

- छह बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को इंटरिम डिविडेंड देंगी

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए फरवरी का आखिरी हफ्ता खास रहने वाला है। छह बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को इंटरिम डिविडेंड देने जा रही हैं। डिविडेंड का मतलब है कि कंपनी अपने मुनाफे का एक हिस्सा निवेशकों को नकद के रूप में देती है। यदि आपके पास शेयर एक्स-डेट से पहले हैं, तो आप डिविडेंड के हकदार होंगे।

सोमवार को पहला नंबर है पीआई कंपनी का। कंपनी का सिक्योरिटी कोड 523642 और सिक्योरिटी नेम पीआईआईएनडी है। कंपनी ने 23 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। कंपनी 5 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। 24 फरवरी को एक्स-डेट पर ट्रेड करेगी। रिकॉर्ड डेट भी 24 फरवरी ही है। कंपनी ने 22 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह इस सूची में सबसे ज्यादा प्रति शेयर डिविडेंड है। 25 फरवरी को एनबीसीसी की बारी है। कंपनी ने 0.1200 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 25 फरवरी तय की गई हैं। 26 को स्टॉटमांट कंपनी एक्स-डेट पर जाएगी। कंपनी 0.1000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। रिकॉर्ड डेट भी 26 फरवरी ही है। 27 फरवरी को दो कंपनियां एक साथ एक्स-डेट पर ट्रेड करेंगी। पहली है धनसेरी। कंपनी ने 3.5000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 27 फरवरी तय की गई हैं। इसकी रिकॉर्ड डेट भी 27 फरवरी है।

अब एनएसई पर 1000 गुना बढ़ जाएगी ट्रेडिंग की रफ्तार

- 10 करोड़ ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड की क्षमता

मुंबई ।

देश का प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आफ इंडिया 11 अप्रैल से अपने ट्रेडिंग सिस्टम को नैनोसेकंड स्तर पर अपग्रेड करने जा रहा है। यह घोषणा एक्सचेंज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एसोसिएशन ऑफ एनएसई मेंबर्स ऑफ इंडिया (एएनएमआई) के एक कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि नया सिस्टम मौजूदा स्पीड से करीब 1000 गुना तेज होगा और असली रियल-टाइम फाइनेंस की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। फिलहाल एनएसई का रिस्पॉन्स टाइम लगभग 100 माइक्रोसेकंड है, जिससे एक्सचेंज एक सेकंड में 50 से 60 लाख ट्रांजेक्शन प्रोसेस कर पाता है। अपग्रेड के बाद यह क्षमता बढ़कर लगभग 10 करोड़ (100 मिलियन) ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड हो जाएगी। एक सेकंड में 10 लाख माइक्रोसेकंड होते हैं, जबकि एक नैनोसेकंड सेकंड का अरबवां हिस्सा है। इतनी तेज स्पीड से ऑर्डर मैचिंग और एक्जीक्यूशन में देरी लगभग समाप्त हो जाएगी। जार में अलग-अलग सेगमेंट में ट्रेडिंग गतिविधि लगातार बढ़ रही है। बढ़ते वॉल्यूम को संभालने के लिए एक्सचेंज अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत कर रहा है। वर्तमान में कोलोकेशन में 2000 से अधिक रैक्स हैं, जिन्हें बढ़ाकर 4500 तक ले जाने की क्षमता विकसित की जा रही है। इससे हाई-फ्रीक्वेंसी और बड़े निवेशकों को तेज निष्पादन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इतनी हाई स्पीड के साथ साइबर जोखिम भी बढ़ जाता है। उन्होंने ब्रोकर्स और टेक्नोलॉजी वेंडर्स से साइबर सिक्योरिटी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की, ताकि सिस्टम की स्थिरता और विश्वसनीयता बनी रहे।

अदाणी गंगावरम पोर्ट में लौह अयस्क ब्लेंडिंग और सेज के लिए साझेदारी

एपीएसईजेड, एनएमडीसी और वेले ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने अपनी अनुषंगी कंपनी अदाणी गंगावरम पोर्ट लिमिटेड के माध्यम से गंगावरम बंदरगाह पर लौह अयस्क मिश्रण (ब्लेंडिंग) सुविधा और समर्पित विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) विकसित करने के लिए एनएमडीसी लिमिटेड और ब्राजील की वेले एसए के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की भारत यात्रा के दौरान नयी दिल्ली में आयोजित भारत-ब्राजील व्यापार मंच सम्मेलन में किया गया। समझौते के तहत तीनों पक्ष मिलकर लौह अयस्क मिश्रण, मूल्य वर्धन और इसके वाणिज्यिकरण के लिए सेज आधारित पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करेंगे। परियोजना का लक्ष्य भारत के पूर्वी तट पर खनिज प्रसंस्करण और निर्यात क्षमता को बढ़ाना है, जिससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थिति में आए। प्रस्तावित विकास के बाद गंगावरम बंदरगाह की क्षमता 7.5 करोड़ टन तक बढ़ जाएगी और यह लौह अयस्क का प्रमुख निर्यात केंद्र बनेगा।

एपीएसईजेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी एक भविष्य के लिए तैयार और टिकाऊ ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि आधुनिक बंदरगाह क्षमता और उच्च गुणवत्ता वाले खनिज लॉजिस्टिक्स को एकीकृत कर उद्योग की जरूरतों का समर्थन किया जाएगा और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान होगा। इस पहल से भारत-विशेषकर पूर्वी तट- पर लौह अयस्क मूल्य श्रृंखला को मजबूत किया जाएगा। साथ ही यह साझेदारी भारत और ब्राजील के बीच वैश्विक खनिज व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद करेगी।

सेंसेक्स की छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 63,478 करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंप नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्री पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुल मिलाकर छह कंपनियों ने लाभ कमाया, जबकि चार कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट आई। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 63,478.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में लार्सन एंड टुब्रो, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को लाभ हुआ। वहीं भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मूल्यांकन में गिरावट आई।

सप्ताह के दौरान लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 28,523.31 करोड़ बढ़कर 6,02,552.24 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 16,015.12 करोड़ बढ़कर 11,22,581.56 करोड़ हो गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,617.56 करोड़ बढ़कर 14,03,239.48 करोड़ रुपये और एलआईसी का मूल्यांकन 5,977.12 करोड़ बढ़कर 5,52,203.92 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 3,142.36 करोड़ बढ़कर 6,40,387 करोड़ रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 202.99 करोड़ रुपये बढ़कर 19,21,678.78 करोड़ रुपये हो गया।इस रुख के उलट भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,338.66 करोड़ रुपये घटकर 11,27,705.37 करोड़ रुपये रह गया। ईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 14,632.10 करोड़ रुपये घटकर 9,97,346.67 करोड़ रुपये रह गई।

इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,791.58 करोड़ रुपये घटकर 5,48,496.14 करोड़ रुपये पर

और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 1,989.95 करोड़ रुपये घटकर 9,72,053.48 करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और इन्फोसिस का स्थान रहा।

अरविंदो फार्मा को पेन-जी उत्पादन 10,000 टन तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । हैदराबाद स्थित दवा निर्माता अरविंदो फार्मा अगले 12 महीनों में अपने पेनिसिलिन-जी (पेन-जी) उत्पादन को वार्षिक आधार पर 10,000 टन से अधिक करने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ वित्त अधिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में बताया कि पेन-जी संयंत्र में उत्पादन बढ़ाने का काम उम्मीदों के अनुरूप हो रहा है और आने वाले समय में मुनाफे में महत्वपूर्ण वृद्धि लाने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन स्थित कंपनी का विनिर्माण संयंत्र चौथी तिमाही में कर-पूर्व आय (ऐ बिटा) के घाटे से उबरने की ओर है। आने वाले साल में यह संयंत्र कंपनी के शुद्ध लाभ में महत्वपूर्ण योगदान देगा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा सेज में मौजूद पेन-जी इकाई की कुल उत्पादन क्षमता 15,000 टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकती है। वर्तमान में उत्पादन स्तर स्थिर है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है।

बिजली की बढ़ती खपत से कोयले की मांग में तेजी आने की उम्मीद

- दिसंबर में 6.3 फीसदी बढ़ी, जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी की वजह से मांग बढ़ी

नई दिल्ली । देश में बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते कोयले की मांग आने वाले दिनों में तेज होने की संभावना है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर में बिजली की मांग में नकारात्मक वृद्धि देखने को मिली, लेकिन दिसंबर में यह 6.3 फीसदी बढ़ गई। जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार की वजह से बिजली की खपत बढ़ती रही। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में कोयले की मांग कमजोर बनी हुई है। देश का कोयला क्षेत्र एक अरब टन उत्पादन का रिकॉर्ड बनाने के बाद अचानक मांग में गिरावट का सामना कर रहा है। इससे बड़ी सार्वजनिक कंपनियों और नई वाणिज्यिक खनन कंपनियों की विस्तार योजनाओं में अनिश्चितता पैदा हुई है। एमजंक्शन, जो सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है, 24-25 फरवरी को कोलकाता में 19वां भारतीय कोयला बाजार सम्मेलन कोआलोसेमः द कोल बैटलग्राउंड का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में कोयला, बिजली, सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक्स सहित 36 प्रमुख उद्योगपति अपनी राय साझा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते आने वाले महीनों में कोयले की मांग में मजबूती देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में बदलाव का असर

वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें

मुंबई ।

भारत का शेयर बाजार पिछले सप्ताह तेज बढ़त के साथ बंद हुआ और निवेशकों की निगाहें अब इस सप्ताह पर टिकी हैं। इसका प्रमुख कारण अमेरिका में आयात शुल्कों में हाल ही में हुए बदलाव हैं, जो वैश्विक व्यापार और निवेश धाराओं पर सीधे असर डालते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए ऊंचे आयात शुल्कों को रद्द कर दिया, जिससे वैश्विक बाजारों में नई उम्मीदें जगी हैं। इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को घोषणा की कि सभी देशों के लिए 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत आयात शुल्क लागू होगा, जो 24 फरवरी से प्रभावी होगा। हालांकि, 21 फरवरी को ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है, लेकिन अभी तक इसके लिए कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। इस कदम से वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद, निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें बनी हैं। भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया था। अगर अमेरिकी प्रशासन वास्तव में इस दर को 10-15 प्रतिशत तक कम करता है, तो भारतीय उत्पाद अमेरिका में सस्ते होंगे, जिससे निर्यात बढ़ सकता है। यह स्थिति भारतीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन और विदेशी निवेश प्रवाह के लिए लाभकारी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी आयात शुल्क में संभावित कमी से भारतीय शेयर बाजार में लिवाल निवेशकों की संख्या बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप पिछले सप्ताह की तेजी इस सप्ताह भी जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से उन सेक्टर्स में, जो अमेरिका के निर्यात पर निर्भर हैं, निवेशकों की रुचि अधिक रहेगी।

दीर्घावधि में दोपहिया उद्योग 8-9 फीसदी सालाना बढ़ने की संभावना- टीवीएस मोटर्स

- अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावन

नई दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारत का दोपहिया उद्योग आने वाले वर्षों में सालाना 8-9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना रखता है। उन्होंने यह वृद्धि मुख्य रूप से जीएसटी दरों में कटौती, बुनियादी ढांचे पर निवेश और अर्थव्यवस्था की समग्र वृद्धि से जोड़कर बताया। उन्होंने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि यह उद्योग दीर्घावधि में स्थिर और मजबूत विकास की दिशा में है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही सिर्फ 2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर सकी थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरे वित्त वर्ष में यह वृद्धि लगभग 9 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। जीएसटी कटौती का लाभ उद्योग को मिल रहा है और अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावना है। अे धिकारी ने बताया कि चौथी तिमाही में उद्योग की वृद्धि 15 प्रतिशत से अधिक हो सकती है, जो कि साल के लिए सबसे मजबूत वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में लागू जीएसटी दरों में कटौती का असर अब चौथी तिमाही में स्पष्ट दिखेगा। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क में सुधार और सार्वजनिक परिवहन की चुनौतियों के कारण निजी परिवहन, विशेष रूप से दोपहिया वाहन, ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बने हैं। इसके अलावा, भारत में स्व-रोजगार वाले लोगों का बड़ा हिस्सा इसे खरीद सकते हैं और इसका इस्तेमाल अपने काम और दैनिक परिवहन में कर सकते हैं।

गेवरा खदान अगले साल बनेगी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान

- गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य

कोरबा। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा संचालित गेवरा खदान, भारत की सबसे बड़ी खुली कोयला खदान है। 1981 से संचालित यह खदान देश में कोयले की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एसईसीएल के एक अे धिकारी ने बताया कि गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। वर्तमान वित्त वर्ष में खदान का उत्पादन लक्ष्य 5.6 करोड़ टन है। खदान को अपनी अधिकतम क्षमता 7 करोड़ टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लिए पर्यावरण मंजूरी भी पहले ही मिल चुकी है। अभी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान अमेरिका के व्योमिंग स्थित ब्लैक थंडर खदान है, जो लगभग 6.1-6.2 करोड़ टन कोयला उत्पादन करती है। यदि गेवरा खदान अपना अगला साल का लक्ष्य पूरा करती है, तो यह ब्लैक थंडर को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक खदान बन जाएगी। इसके बाद अमेरिका की नॉर्थ एंटीलोप रोशेल खदान का स्थान आता है। अे धिकारी ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन मौजूद हैं। इसमें शामिल हैंः पर्याप्त भूमि, आधुनिक मशीनरी, कुशल जनशक्ति और ग्राहकों की मजबूत मांग। उन्होंने यह भी बताया कि टीम ने अग्रिम योजना के साथ हर संसाधन को सुनिश्चित कर लिया है।

तेल-तिलहन और कपास बाजार में दबाव, सोयाबीन तेल में मामूली सुधार

अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा

नई दिल्ली ।

सरकार की ओर से पुराने स्टॉक की बिक्री और नयी फसल की आवक शुरू होने से सरसों और सरसों तेल-तिलहन के दाम गिर गए। अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा। महंगे सरसों तेल की खपत तभी बढ़ेगी जब इसका दाम सोयाबीन तेल से 5-7 रुपये प्रति किलो कम होगा। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की कमजोर स्थानीय मांग और सरकारी बिक्री के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। हालांकि, सोयाबीन तेल की आयात कम होने और मांग बने रहने से कीमतों में मामूली सुधार देखा गया। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही, वहीं मजबूत आय वर्ग में साबुत मूंगफली और गुणवत्ता वाले तेल की स्थिर मांग बनी है। मूंगफली की खराब धारणा से बिनौला तेल के दाम भी नीचे गए। मलेशिया एक्सचेंज में तेजी के कारण पाम और पामोलीन के दाम बढ़े। अमेरिकी शुल्क फैसले के रद्द होने का असर अगले सप्ताह स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 235 रुपये की गिरावट के साथ 6,675-6,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 400 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,325-2,425 रुपये और 2,325-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,275-5,325 रुपये और 4,875-4,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,000 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरकारी बिकवाली के दबाव में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही।

पीआई इंडस्ट्रीज ने निवेशकों के लिए घोषित किया 500 फीसदी अंतरिम डिविडेंड

नई दिल्ली । एग्रीकेमिकल कंपनी पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 के लिए 500 फीसदी का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। इसका मतलब है कि 1 रुपये के हर शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। यह फैसला 12 फरवरी को हुई बोर्ड बैठक में लिया गया। डिविडेंड पाने के लिए रिकॉर्ड डेट 23 फरवरी 2026 तय की गई है। इस दिन तक शेयर रखने वाले निवेशक डिविडेंड के हकदार होंगे। कंपनी के तीसरी तिमाही के नतीजे पिछले साल की तुलना में कमजोर रहे। नेट प्रॉफिट 16.4 फीसदी गिरकर 311 करोड़ रुपये रह गया। रेवेन्यू 1,900 करोड़ रुपये से घटकर 1,375 करोड़ रुपये हो गया। ऐ बिटा में 41.1 फीसदी की गिरावट आई और यह 301.2 करोड़ रुपये पर पहुंचा। मार्जिन भी 26.9 फीसदी से घटकर 21.9 फीसदी हो गया। पीआई की स्थापना 1946 में हुई थी, भारत की प्रमुख एग्रीसाइंस कंपनियों में से एक है। कंपनी पेस्टिसाइड्स, कीटनाशक और फंगीसाइड्स बनाती है और इन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचती है।

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराकर सुपर-8 का अपना पहला मुकाबला जीता

पल्लेकेले (एजेंसी)। फिल सॉल्ट के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के अच्छें प्रदर्शन से इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 के अपने पहले ही मुकाबले में शानदार दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 51 रनों से हरा दिया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन बनाये। इसक बाद मेजबान लंकाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.4 ओवर में 95 रनों पर ही आउट हो गयी।

मेजबान श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुआ। इंग्लैंड ने खराब शुरुआत के बाद फिल सॉल्ट की 40 गेंदों में 62 रनों की पारी से ठीक स्कोर बना लिया। सॉल्ट ने संयम और आक्रामकता के साथ खेलते हु पारी को संवारा। मध्य क्रम हालांकि टिक नहीं पाया। । श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने अच्छी गेंदबाजी कर इंग्लैंड के अन्य बल्लेबाजों को हावी होने का अवसर नहीं दिया। अंतिम ओवरों में टीम किसी प्रकार 150 के करीब पहुंच पायी।

जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहींरही। पावरप्ले के अंत तक आधी टीम 34 रनोंर पर ही सिमट गयी। जैक्स ने लगातार चार ओवर गेंदबाज़ी करते हुए 22 रन देकर तीन विके लिए। वहीं जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से दो अहम विकेट लिए, जबकि लियाम डॉसन और आदिल रशीद ने भी दबाव बनाये रखा। । कप्तान दासुन शनाका ने 30 रन बनाये पर वह टिक नहीं पाये। आदिल रशीद ने अंतिम विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी समेट दी।

अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीता

दोहा (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी अल्काराज ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के आर्थर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। दोनो में ये मुकाबला केवल 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ का दबदबा रहा।

इस खिताबी जीत के साथ ही अल्काराज़ ने इस साल 2026 में लगातार 12 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब उनके खिताबों की तादाद बढ़कर 26 पहुंच गयी है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया जिसका फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास जवाब नहीं था। खिताब जीतने के बाद उत्साहित अल्काराज़ ने कहा-साल की शुरुआत वाकई बहुत अच्छी रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बनाये रखना चाहता हूं। अल्काराज की इस फॉर्म को देखते हुए तय है कि वह इस सत्र में आगे भी खिताब जीतकर नये रिकार्ड बनाएंगे।

किसी भी टीम को हल्के से ना लें, इससे आप लक्ष्य से भटक सकते हो : डैरेन सैमी

मुंबई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रविवार को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को आगाह किया कि वह जिम्बाब्वे को किसी भी तरह से कम करके आंकने की गलती नहीं करें क्योंकि इससे वह लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने इसके साथ ही कहा कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी और उनका मानना है कि इसी वजह से जिम्बाब्वे ने अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन किया और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, 'ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढ़ें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से।' उन्होंने कहा, 'हमारे सामने पिछले विश्व कप के दो फाइनलिस्ट हैं। अगर आपको जीतना है तो आपको अपने सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करना होगा। इसे हल्के में न लें, किसी को भी कम न समझें। अगर आप अन्य चीजों पर ध्यान देते हैं तो आप लक्ष्य से भटक सकते हैं।'

सैमी ने जिम्बाब्वे के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन के बारे में कहा कि उसे वरीयता नहीं मिली थी जिससे वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे ने वही किया जो उसे करना चाहिए था। अगर हमें वरीयता नहीं मिली होती या ऐसा कुछ होता और मैं देखता कि यह व्यक्ति (एक प्रतिद्वंद्वी) वहां खेलने जा रहा है तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती।' सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जिम्बाब्वे ने उस टीम को देखकर प्रेरणा और प्रोत्साहन हासिल किया होगा और उसी तरह से खेला होगा। लेकिन (टीमों को वरीयता देने के मामले में) मैं व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी समझता हूं। प्रशंसकों को आश्वासन देने की कोशिश करना जरूरी है।'

भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराकर दूसरी बार महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। तेजल हसनबिस के अर्धशतक से भारत ए टीम ने यहां खेले गये एशिया कप महिला राइजिंग स्टार्स के फाइनल में बांग्लादेश ए को 46 रनों से हराकर खिताब जीता है। भारत की ओर से तेजल ने 34 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाये। वहीं इसके बाद लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने भी 12 रन देकर तीन विकेट लिए।

इस मैच में भारत ए ने एक समय 44 रन पर 4 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद हसनबिस ने कप्तान राधा यादव के साथ पारी को संभाला। राधा ने 30 गेंदों पर 36 रन बनाये। इन दोनो के बीच पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी हुई। इससे भारत ए टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन तक पहुंची। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ए टीम टिक नहीं पायी और 19.1 ओवर में 88 रन पर ही आउट हो गयी। बांग्लादेश ए टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में ही 12 रन पर अपना पहला विकेट खो दिया। तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर ने इश्मा तंजीम को पेवेलियन भेजा। वहीं इसके बाद प्रेमा ने शमीमा सुल्ताना को आउट कर दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते चले गये।

धवन ने सोफी शाइन से की दूसरी शादी

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन दूसरी बार दूल्हा बने है । धवन ने आयरलैंड की सोफी शाइन के साथ दूसरी शादी रचाई । उनकी शादी में रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए । धवन ने अपनी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में भी साझा की हैं । इसके साथ ही उन्हें बधाइयां मिलने लगीं । अभिनेता रणवीर सिंह ने भी धवन के अलावा अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने इस जोड़े को बधाई दी है । रणवीर ने धवन को बधाई देते हुए लिखा, बधाई और भगवान का आशीर्वाद बना रहे भाई, । वहीं कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने लिखा, बधाई हो पाजी और भाभी जी, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने दिल वाली इमोजी बनाई। वहीं क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने भी दोनो को बधाई दी है । धवन जहां शेरवानी में वहीं सोफी खूबसूरत लहंगे में नजर आई । शादी की तस्वीरों में दोनो ही बेहद खुश दिखे । धवन और सोफी की सगाई जनवरी में हुई थी। इसके बाद से ही शादी की तैयारी चल रही थी । इनकी सगाई की तस्वीरों को भी प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था । ये दोनो ही पिछले काफी सयम से रिलेशनशिप में थे। धवन की पहली शादी ऑस्ट्रेलिया की आयेशा मुखर्जी से हुई थी जिनसे उन्हें एक बेटा जोरावर है । धवन और आयशा के बीच आठ साल के बाद तलाक हो गया था । उसके बाद से ही शिखर अकेले पड़ गये थे ।

पाकिस्तान को सेमीफानल में पहुंचने सुपर-8 के दोनो मैच जीतने होंगे

कोलंबो । आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले मुकाबले के बारिश के कारण रद्द होने के बाद ही दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिले हैं । ऐसे में अब दोनो ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनो ही मैच जीतने पूरी ताकत लगा देंगी । पाकिस्तान के आगे जाने की संभावनाएं अब बचे हुए मैचों के परिणामों पर आधारित रहेंगी । पाकिस्तान को अब अंतम चार में पहुचने न केवल देनो ही मैच जीतना होगा बल्कि ये भी देखना होगा कि उनका रन रेट बेहतर रहे । 24 फरवरी को पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से खेलना है और उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा । इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो किसी भी दिन मैच का पासा पलट सकती है । इसके बाद पाक को संयुक्त रुप से मैच का आयोजर कर रही श्रीलंका से 28 फरवरी को अपना अंतिम सुपर 8 मुकाबला खेलना होगा । अगर पाकिस्तान इंग्लैंड से हार जाता है, तो यह मैच उसे हार हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा । भी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़कर 56.25 फीसदी हो गयी है । वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका, जिन्हें अभी बड़े मैच खेलने हैं, उनकी जीत की संभावना घटकर 43.75 फीसदी पाक के पास अब अधिकतम 5 अंक तक पहुंचने का मौका है ।

अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करुंगा : अभिषेक

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्वकप में असफल रहे हैं । वह अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं । इसके बाद भी अभिषेक का कहना है कि वह आगे भी अपना खेलने का अंदाज नहीं बदलेंगे भले ही शून्य पर आउट हो जायें । भारतीय टीम अब लीग में जीतकर सुपर-8 में पहुंच गयी है। ऐसे में अभिषेक पर अब रन बनाने का दबाव है। अभिषेक वह पहली ही गेंद से आक्रामक खेलने का प्रयास करते हैं और इसी में कभी-कभी विकेट गंभव देते हैं । ग्रुप स्तर पर वह तीन पारियों में सिर्फ आठ गेंद ही खेल पाए । आंकड़े भी उनके खराब फॉर्म को दिखाते हैं । वह अपनी पिछली सात पारियों में पांच बार शून्य पर आउट हुए हैं. कुल मिलाकर, 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में से छह में वह बिना रन बनाए पवेलियन लौटे हैं। वहीं इससे उबरने अभिषेक लगातार ट्रेनिंग में मेहनत कर रहे हैं, जिससे अपना फार्म वापस पा सकें उन्होंने अपने पर दबाव से इंकार करते हुए कहा फ्रमैं बस अपनी बल्लेबाजी का मजा लेता हूं, मैंने दो साल पहले दबाव लेना बंद कर दिया क्योंकि मुझे समझ आ गया कि प्रक्रिया मेरे हाथ में है। अभ्यास और ट्रेनिंग मैं नियंत्रित कर सकता हूं, और उसी पर ध्यान देता हूं। मुझे यह पसंद है, इसलिए कोई दबाव नहीं है फ्रअभिषेक जानने है कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा समय आता है । इसलिए मौजूदा खराब दौर के बाद भी वह अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करेंगे क्योंकि इसी ने टी20 में उन्हें नंबर-1 बनाया है । इस बल्लेबाजन ने कहा ' करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव आते हैं । कभी रन बनते हैं, कभी नहीं. लेकिन मैंने तय किया है कि मैं अपने तरीके से ही खेलूंगा ।'

रिटायरमेंट की अफवाहों पर फुल स्टॉप, आईपीएल 2026 में फिर दिखेगा 'कैप्टन कूल' का जलवा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। चेन्नई सुपर किंग्स के CEO कासी विश्वनाथन ने पुष्टि कर दी है कि दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एमएस धोनी आईपीएल 2026 में खेलते नजर आएंगे।

लगातार उठ रही रिटायरमेंट की अटकलों के बीच यह आधिकारिक बयान सामने आया है, जिससे साफ हो गया है कि धोनी एक और सीजन 'येलो जर्सी' में दिखाई देंगे। कासी विश्वनाथन ने स्पष्ट कहा, 'एमएस धोनी आईपीएल 2026 सीजन के लिए उपलब्ध हैं।'

सीएसके के साथ धोनी की विरासत

धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स के साथ सफर ऐतिहासिक रहा है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल खिताब जीते। 44 वर्ष की उम्र में भी उनका खेल और फिटनेस फैंस को चौंकाते रहे हैं।

2008 से अब तक धोनी सीएसके के स्तंभ रहे हैं। उन्होंने 272 मैचों में 5314 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 84 रन रहा।

कप्तानी का लंबा सफर

धोनी ने 244 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें 145 जीत दर्ज कीं। उनका जीत प्रतिशत 59.42 रहा है।

2022 में कप्तानी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई थी, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के बाद धोनी को बीच सीजन में दोबारा जिम्मेदारी संभालनी पड़ी। 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया। 2025 में गायकवाड़ के चोटिल होने पर धोनी ने फिर टीम की कमान संभाली, हालांकि वह सीजन टीम के लिए कठिन रहा।

2026 के लिए रिटेंशन और बड़े बदलाव

आईपीएल 2026 के लिए धोनी को 4 करोड़ रुपये में अनकैप्ड प्लेयर नियम के तहत रिटेन किया गया है। उनके साथ रिटेन खिलाड़ियों में ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस और नूर अहमद शामिल हैं।

बड़े बदलाव के तहत रवींद्र जडेजा और सैम करन को राजस्थान रॉयल्स में ट्रेड किया गया है। वहीं चेन्नई ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आईपीएल 2026 के लिए सीएसके की पूरी टीम

कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, उर्विल पटेल, नूर अहमद, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, गुरजपनीत सिंह और अंशुल कंबोज।

पांड्या ने बेटे अगस्त्या को उपहार में दी करोड़ों की एसयूवी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी महंगी जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं । वह हमेशा महंगी घडियां पहने दिखते हैं । इसी कड़ी में अब हार्दिक ने अपने पांच साल के बेटे अगस्त्या को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दी है । पांड्या का सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टैनकोविक से तलाक हो गया है पर बेटे का ध्यान दोनो ही मिलकर रहते हैं । अगस्त्या की कस्टडी हालांकि नताशा को मिली है पर हार्दिक उनसे मिलते रहते हैं । इतने छोटे से बेटे को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दिये जाने से लोग हैरान दी क्योंकि उनके बेटे की उम्र अभी खिलौनों से खेलने की है । सोशल मीडिया पर हार्दिक के अपने बेटे अगस्त्या और पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक को दिए गए उपहार की तस्वीर वायरल हो रही है । इसमें हार्दिक का बेटा और नताशा लैंड रोवर डिफेंडर कार लेते दिख रहे हैं । तस्वीर में वेलकम नोट पर साफ-साफ लिखा हुआ है पापा टू अगस्त्या ।

मेस्सी की मौजूदगी में MLS चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

लॉस एंजिलिस । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने MLS कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया । इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (LAFC) से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा । विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज़ ने गोल किए । बुआंगा ने मैच के बाद कहा, 'वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं । हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे । इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है।' इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिज़ियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे । दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेस्सी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया । मेस्सी ने इस महीने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद पूरा मैच खेला ।

फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली । मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं। मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है । 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे। उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था । अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं । यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है । दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है । मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके । टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी। पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है । टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा । हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है ।

आज कनाडा, अमेरिका सहित कई देशों से खेल रहे भारतीय मूल के खिलाड़ी : प्रधानमंत्री मोदी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में विदेशी टीमों से खेलते हुए नाम देश का नाम रौशन कर रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज टी20 विश्वकप क्रिकेट को ही देख लें। इसमें खेल रहे दुनिया भर के कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जो वहां की टीमों से खेलते हुए दोनो देशों का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कनाडा से खेल रहे दिलप्रीत बाजवा, अमेरिका से खेल रहे मोनांक पटेल सहित कई खिलाड़ियों का नाम लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेले वो खिले, खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 विश्व कप के मैच देख रहे होंगे। इस दौरान किसी भारतीय को दूसरे देश की जर्सी पहने भी आपने देखा होगा। उसका नाम सुनकर आपको लगता है कि ये तो अपने देश का है, तब दिल में खुशी भी होती है कि भारत से बाहर जाकर भी वह वह उस देश की ओर से खेलता है, जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं और पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही कहा, कनाडा की टीम क ही देख लें, इसमें सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस सूची में हर्ष ठाकर और श्रेयस मोआ जैसे कई खिलाड़ी शामिल हैं, जो कनाडा के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम में शामिल कई खिलाड़ी भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल ने गुजरात की ओर से खेला हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, और दिल्ली के मिलिंद कुमार अमेरिकी टीम से खेल रहे हैं।

इसके अलावा ओमान की टीम में भी कई भारतीय हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों से खेले हैं। जतिंद्र सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय और आशीष जैसे खिलाड़ी ओमान क्रिकेट टीम से खेलते हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, यूएई और इटली की टीमों में भी भारतीय मूल के कई खिलाड़ी हैं। ये भारतीय देश से बाहर जाने के बाद भी देश का गौरव बढ़ा रहे हैं और वहां के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीयता की यही तो विशेषता है, वह जहां भी जायें, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। इसी के साथ ही वह जिस देश में रहते हैं, वहां के विकास के लिए सहयोग में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हेल्थ प्लस

तनावग्रस्त प्रेगनेंट महिला के शिशु को एलर्जी का खतरा

गर्भावस्था में मां के आचार-विचार का भावी शिशु पर असर पड़ने की बात यूं ही नहीं कही जाती। अब डाक्टरों ने एक नए शोध के आधार पर बताया है कि गर्भावस्था में तनावग्रस्त रहने वाली महिलाओं के नवजात शिशुओं के दमा या एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका अधिक रहती है। अमेरिकन थोराइसिस सोसायटी इंटरनेशनल कांफ्रेंस टोरंटो में पेश की गई अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान तनाव में रहती हैं उनके शिशुओं के दमे और एलर्जी से पीड़ित होने की आशंका बढ़ जाती है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की प्रमुख शोधकर्ता डा. रोसालिन राइट कहती हैं कि इस शोध से उन सबूतों को और बल मिला है कि मां के मानसिक तनाव का शिशु पर गहरा असर पड़ता है। किसी भी प्रकार का तनाव गर्भावस्था के दौरान भी बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। शोध से यह संकेत मिलता है कि जन्म से पहले तनाव की चपेट में आने वाले बच्चे पिस्सू से उत्पन्न होने वाली एलर्जी आदि के प्रति जल्दी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। डॉ. राइट ने कहा कि यह शोध इस अवधारणा को पुष्ठ करता है कि तनाव भी एक सामाजिक प्रदूषक है जो शरीर में पैदा होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। गर्भावस्था के दौरान मस्त रहने वाली माताएं ऐसे शिशुओं को जन्म देती हैं जिनमें ई या आईजी ई का उच्च स्तर होता है जो एक रोग प्रतिरोधक प्रणाली है।

पुरुषों में बढ़ रहे हैं स्तन कैंसर के मामले

पुरूषों में स्तन कैंसर सुनने में जरूर कुछ अटपटा सा लग सकता है लेकिन कैंसर विशेषज्ञों का दावा है कि महिला स्तन कैंसर की ही तरह अब पुरूष भी इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं और देश में पुरूषों में यह एक प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक और जाने माने स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से पुरूषों में भी स्तन कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं और इनमें एक प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके कारण का अभी तक पूरी तरह पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा समझा जा रहा है कि जीवनचर्या में तेजी से आ रहा परिवर्तन और हार्मोन में बदलाव भी प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि अभी यह संख्या बहुत कम है। इसलिए इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जहां तक इसके प्रारंभिक लक्षणों का सवाल है, जब स्तर कैंसर की शुरूआत होती है तो पुरूषों में स्तन के निप्पल का आकार बड़ा हो जाता है और एक गांठ बन जाती है जिसका रंग लाल होने लगता है और उसको दबाने से दर्द होने लगता है।

यह पूछे जाने पर कि पुरूष स्तन कैंसर किन किन कारणों से होता है, इसी संस्थान की स्तन कैंसर विशेषज्ञ डा. के गीता ने कहा कि पुरूष स्तन कैंसर किन कारणों से होता है अभी निश्चित रूप से इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता है। आज इस दिशा में दुनियाभर में तेजी से अनुसंधान चल रहे हैं ताकि इस रोग का समय रहते उपचार किया जा सके।

एक प्रश्न के उत्तर में डा. चतुर्वेदी ने कहा कि जहां तक भारत में महिला स्तन कैंसर का सवाल है यह एक सामान्य कैंसर है लेकिन जीवनचर्या में तेजी से आ रहे परिवर्तन के कारण आज देश में स्तन कैंसर के मामलों में 5-10 प्रतिशत वृद्धि हो रही है और यदि यह स्थिति जारी रही तो वर्ष 2020 तक देश में स्तन कैंसर के मामलों में 200 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि हम सहस्त्राब्दि लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं तो हमें महिला और पुरूष दोनों के स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों को रोकने और इसके बचाव के लिए एक रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि देश में महिला स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता की भारी कमी है। यदि शुरूआती अवस्था में ही स्तन कैंसर का पता चल जाए तो इसका कारगर इलाज हो सकता है। जाने माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. समीर कौल ने इस संबंध में कहा कि हार्मोन असंतुलन और जीन में बदलाव आने के कारण अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले पुरूष स्तन कैंसर रोगियों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। आमतौर पर देखने में आया है कि पुरूष इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि महिला स्तन कैंसर की अपेक्षा पुरूष स्तन कैंसर अधिक घातक माना जाता है।

मां के मोटापे का असर बच्चों पर दिखता है ज्यादा

मोटापे की शिकार महिलाएं न सिर्फ इस व्याधि को अपने बच्चों तक पहुंचाती हैं बल्कि इन बच्चों में मांसपेशियां भी कम होती है। अमेरिका स्थित आक्लाहोमा विश्वविघालय के स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र के डा. डेविड ए. फील्ड के नेतृत्व में किए गए शोध में यह बात सामने आई है। शोध में यह भी पाया गया कि वैश्विक स्तर पर खासकर उत्तरी अमेरिका और यूरोप में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में वजन बढ़ने की समस्या बढ़ रही है। इसके फलस्वरूप इनके पैदा होने वाले बच्चे का वजन तो चार किग्रा या इससे भी ज्यादा होता लेकिन मांसपेशियां कम होती है। शोध में पाया गया कि मोटापे की समस्या के साथ जन्म लेने वाले बच्चे इसी के साथ बड़े भी होते हैं और इस कारण से जवानी की दहलीज तक पंहुचते ही इनमें मधुमेह सहित अन्य व्याधियां पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

फल व सब्जियां लाभदायक आंखों के लिए

फलों व सब्जियों के सेवन से हुए लाभों में अब एक नया लाभ और जुड़ गया है। हाल ही में विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध के अनुसार एक्यूट माक्यूलर डिजनेरेशन (ए.एम.डी.) नामक आंखों की बीमारी जिससे अंधापन हो जाता है, की संभावना को भी फलों एवं सब्जियों का सेवन कम करता है। अधिकतर फलों व सब्जियों में ल्यूटिन, जियाएक्सानथिन नामक पिगमैंट पाए जाते हैं। ये पिगमैंट आंखों को नीली रोशनी के प्रभाव से बचाते हैं तथा हमारी आंखों की देखने की शक्ति सुरक्षित रहती है। वृद्धावस्था में इस पिगमैंट का स्तर कम होता है जिससे दिखाई देना बंद हो जाता है।

बुजुर्गों के लिए अच्छे हैं खर्राटे

यदि आप मानते हैं कि खर्राटा लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो आपको दुबारा सोचना चाहिए, क्योंकि एक ताजा अध्ययन से पता चला है कि सोते हुए खर्राटा भरने और नाक से आवाज निकलने वाले लोग, विशेषकर बुजुर्ग लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जीते हैं।

इस्राइल में हुए शोध में पाया गया है कि खर्राटे की बीमारी से मुक्त लोगों की अपेक्षा 65 साल से अधिक आयु के उन लोगों, जिनमें खर्राटा संबंधित बीमारी 'स्लीप एपनिया' होती है, उनके चिरायु होने की संभावना अधिक होती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह हिपोक्सिया में छेद के कारण होता है, जो सांस लेने में आने वाली बाधा है। यह बुजुर्गों के कार्डियोवास्कुलर तंत्र को दुरूस्त करते हुए ऑक्सीजन की कमी को दूर कर रक्षात्मक प्रभाव डालता है। दिल के दौरे के समय जब ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होती है, उस समय शरीर उससे निपटने में अधिक सक्षम होता है। 'डेली मेल' के अनुसार अध्ययन में पाया गया है कि स्लीप अपोनिया का युवाओं पर इसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ता है, ऐसा इसलिए है क्योंकि दिल की बीमारी का जोखिम प्रौढ़ व्यक्तियों को अधिक होता है। टेक्नियोन संस्थान क शोधकर्ताओं ने चार वर्षों की अवधि में छह सौ से अधिक बुजुर्ग लोगों के विश्लेषण के आधार पर अपना निष्कर्ष दिया है, जिनमें स्वस्थ स्वयंसेवकों के समूह की अपेक्षा दिल की बीमारी से संबंधित कम मौते हुई। शोध के नतीजों को ग्लास्गो में यूरोपीय एसोसिएशन फार स्लीप रिसर्च की बैठक में पेश किया गया।

गैचेट ऑन तो बैकपेन गॉन

कमरदर्द के कारण कई तरह की परेशानियां झेल रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। एक गैजेट निर्माता ने दावा किया है कि उसका गैजेट दो हफ्ते के भीतर ही बैकपेन से मुक्ति दिला देगा। बैंडेज की तरह दिखने वाले इस गैजेट को कमर से सटाकर बांधना होगा। यह कमर के पोस्चर को ठीक करने में मददगार साबित होता है। इस आई-पोस्चर डिवाइस को कमर पर लगाकर एक मिनट में तीन डिग्री के मोशन के लिए सेट करना होता है। उसके बाद यह वाइब्रेट होना शुरू हो जाता है।

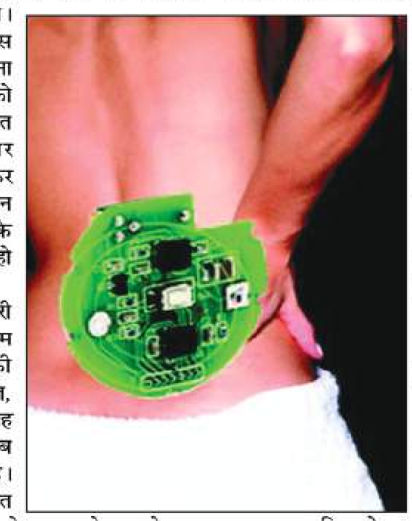

यह वाइब्रेशन तब तक जारी रहता है जब तक कि कमर एकदम सीधी न हो जाए। छाती बाहर की आर और सिर स्थिर। दसअसल, यह डिवाइस प्रयोगकर्ताओं को यह बताएगी कि उनकी कमर अब बिल्कुल सीधी अवस्था में है। कमर को सीधी रखने की आदत में ढलने के लिए गैजेट को दो से चार हफ्ते तक रोजाना चार घंटे इस्तेमाल करना पड़ सकता है। एक बार कमर सीधी रखने की आदत पड़ने के बाद इस गैजेट का इस्तेमाल जरूरी नहीं है। इस गैजेट में एक माइक्रोचिप लगी है, जो प्रत्येक सेकेंड में कमर की मूवमेंट को मॉनीटर करेगी। इसमें लगा विशेष सॉफ्टवेयर फिलटर गलत मुद्राओं के बारे में सूचित करेगा, जो आई-पोस्चर को शरीर की कई मुद्राओं को ग्रहण करने के बारे में भी जानकारी देगा। इसे बैठते, चलते समय इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गैजेट ऐसे लोगों के लिए खासा मददगार है, जो घंटों कंप्यूटर के सामने बैठते हैं। इस गैजेट से संबंधित शोध के नतीजे बताते हैं कि यह कमर की स्थिति को लेकर काफी कारगर है और पुरूषों में खासा सफल रहा है। जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, जो महिलाएं अपनी कमर की मुद्रा को सुधार लेती हैं, उनकी कमर की मोटाई भी दो इंच तक घट सकती है। ऐसी महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस फ्रैक्चर की संभावना भी कम हो जाती है। इस गैजेट को बनाने वाले न्यूरोलॉजिस्ट और पैन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डा. मोआकिर शूनैप का मानना है कि उनका आविष्कार कमर की स्थितियों को सुधारने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा, 'दरअसल, हम इस आर ध्यान नहीं देते कि कमर की मुद्राएं हमें प्रभावित करती हैं। जो कि बेहद जरूरी है। गैजेट का इस्तेमाल करने के साथ-साथ नियमित एक्सरसाइज भी करनी होगी। सुधार दिखने के बाद भी कुछ हफ्तों तक गैजेट का प्रयोग करें, यह उनकी कमर की स्थिति सुधारने में मददगार होती है।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) – व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) – यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) – कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) – राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) – व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) – मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) – यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू) – आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3809

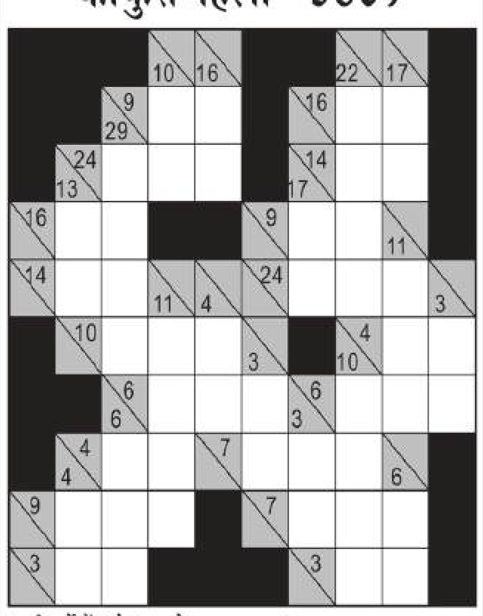

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3808 का हल

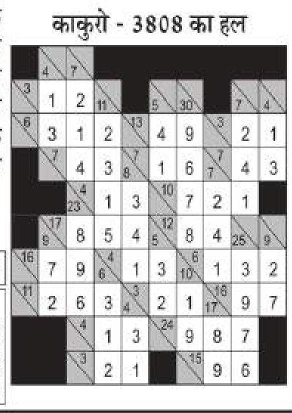

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)– तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)– दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)– मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन– क्या वह मर गई?

रमन– नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन– अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)– 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन– 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन– 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3809

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3808

सूडोकु -3809

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3808 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3809

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लजाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3808 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी